संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 201
पृष्ठ 8
शनिवार
11 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लड़कियों में दिखने लगे ये बदलाव..

विचार- ईरान का अद्भुत जज्बा दुनिया...

खेल- केकेआर के खिलाफ मुकुल चौधरी...

लखनऊ में नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल का शुभारंभ, सीएम योगी बोले-

हमारी दिनचर्या बदली तो परिणाम हमारे सामने हैं

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का शुभारंभ हुआ। समारोह कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया की तरफ से आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि हमारे देश में प्राचीनकाल से ही समय पर जगना, सोना और संतुलित आहार लेना हमारी दिनचर्या का हिस्सा रहा है। लेकिन, दिनचर्या बदली, लाइफस्टाइल बदली तो परिणाम भी हमारे सामने हैं और चुनौतियां भी। सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना और किफायती उपचार के विस्तार पर काम कर रही है। दूसरी ओर, समाज को बीमारियों से पहले ही सुरक्षित करने की रणनीति यानी 'बचाव' को प्राथमिकता देना समय की द्विस्तरीय दृष्टिकोण आने वाले भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार बनेगा और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को वास्तविकता में बदलने की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज आज समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। जबकि, भारत की परंपरा में संतुलित हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है। बदलती जीवनशैली के चलते उत्पन्न चुनौतियों के बीच अब स्वास्थ्य के दो प्रमुख आयाम-बचाव और उपचार स्पष्ट रूप से सामने हैं। सीएम ने आगे कहा कि जिस तेजी से नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियां बढ़ रही हैं। समाज का बड़ा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है, पहले गंभीर बीमारी का मतलब पूरे परिवार के लिए आर्थिक संकट होता था, क्योंकि न पर्याप्त स्वास्थ्य संस्थान थे और न ही विशेषज्ञों की उपलब्धता। लेकिन, पिछले वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से आज देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से लगभग 1400 करोड़ रुपये उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए, जो सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। हाल ही में शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर्स, एएनएम तथा मिड-डे मील से जुड़े रसोइयों को भी इस योजना में कवर किया गया है। ताकि, समाज का एक बड़ा वर्ग अब स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में आ गया है। एक दशक पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित थे, जो 25 करोड़ की आबादी के लिए बेहद अपर्याप्त थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 81 हो गई है। 2 एम्स भी संचालित हैं। हर जिले में आईसीयू की स्थापना, अनेक स्थानों पर कैथ लैब की शुरुआत, निजी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों का तेजी से विस्तार और पुराने मेडिकल कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती दे रहा है। सीएम ने उदाहरण देते हुए बताया कि केजीएमयू में प्रतिदिन 12 से 14 हजार, एम्स दिल्ली में 16 से 17 हजार और एसजीपीजीआई में 10 से 12 हजार तक ओपीडी होती है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक मरीज को पर्याप्त समय और गुणवत्तापूर्ण उपचार दे पाना कठिन हो जाता है। भविष्य में यह दबाव और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, विशेषकर प्रतिदिन 4 से 6 घंटे स्मार्टफोन के उपयोग ने नई बीमारियों को जन्म दिया है। वहीं डायबिटीज का तेजी से बढ़ता प्रसार भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। इन परिस्थितियों में केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं।

वृंदावन में यमुना नदी में स्टीमर पलटा, 10 पर्यटकों की मौत, राहत-बचाव जारी

मथुरा। वृंदावन में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया, जब यमुना नदी में करीब 30 पर्यटकों से भरा एक स्टीमर पलट गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में 10 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई, जिनमें 6 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल हैं। सभी पर्यटक पंजाब से घूमने के लिए वृंदावन आए थे। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के अनुसार हादसा दोपहर करीब 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जो श्रीबांके बिहारी मंदिर से लगभग ढाई किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। प्रशासन ने सेना की मदद मांगी है, जबकि स्थानीय स्तर पर करीब 50 गोताखोर सर्च ऑपरेशन में जुटे हुए हैं। घायलों को रामकृष्ण मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका निशुल्क उपचार किया जा रहा है। इसके अलावा गाजियाबाद से एनडीआरएफ की टीम भी वृंदावन के लिए रवाना हो चुकी है। जिले के सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। हादसे में बचे पर्यटक मनोहर लाल ने बताया कि वे सभी लुधियाना के जगराओं से आए थे। उस समय तेज हवा चल रही थी। यमुना नदी के बीच स्टीमर अचानक डगमगाने लगा और उसकी गति बढ़ गई। इसी दौरान स्टीमर पीपा पुल से टकराकर पलट गया, जिससे यह हादसा हो गया।

लेबनान में इस्राइली हमले पर भारत ने चिंता जताई, कहा-

नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच लेबनान में बढ़ते नागरिक हताहतों को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दो सप्ताह के युद्धविराम के बावजूद इस्राइल की ओर से जारी हमलों के बीच हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि लेबनान में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत की खबरें परेशान करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि भारत, संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल में योगदान देने वाला देश होने के नाते, वहां शांति और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध है और मौजूदा घटनाक्रम बेहद गंभीर संकेत दे रहा है। जायसवाल ने दोहराया कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन और देशों की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि लेबनान में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार सतर्क है। उन्होंने कहा कि लेबनान में करीब 1,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं और हमारा दूतावास लगातार उनके संपर्क में है। इधर, अमेरिका और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम भी दबाव में है। ईरान का दावा है कि इस समझौते में लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई पर रोक भी शामिल है, जबकि अमेरिका और इस्राइल का कहना है कि यह युद्धविराम हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमलों पर लागू नहीं होता। इसी मतभेद ने कूटनीतिक प्रयासों को जटिल बना दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्धविराम के बावजूद इस्राइल ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले जारी रखे हैं। इस सप्ताह हुए बड़े हमलों में कम से कम 300 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। इस बीच, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम जल्द ही वॉशिंगटन डीसी का दौरा कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस्राइल ने लेबनान के साथ सीधे वार्ता का प्रस्ताव दिया है।

20 साल और विपक्ष में बैठ जाएंगे मगर बाबरी मस्जिद बनाने की बात करने वालों से समझौता नहीं करेंगेः अमित शाह

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपना संकल्प पत्र जारी कर चुनावी मैदान में एक बड़ा दांव चल दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोलकाता में इस संकल्प पत्र को जारी करते हुए साफ संकेत दे दिया कि इस बार मुकाबला सिर्फ सत्ता का नहीं बल्कि विचार और विश्वास का भी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता डर, निराशा और अव्यवस्था से त्रस्त है और अब बदलाव चाहती है। हम आपको बता दें कि संकल्प पत्र में भाजपा ने कई बड़े वादे किए हैं जो सीधे जनता की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू करने का वादा किया गया है और महंगाई भत्ता सुनिश्चित करने की बात कही गई है। महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का वादा भी किया गया है। इसके साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए भी तीन हजार रुपये की सहायता और एक करोड़ रोजगार देने का वादा किया गया है।

सबसे ज्यादा चर्चा समान नागरिक संहिता को लेकर हो रही है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सत्ता में आते ही छह महीने के भीतर इसे लागू किया जाएगा। इसके साथ ही अवैध घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही गई है। भाजपा ने सीमा पर गौ तस्करी रोकने, आयुष्मान योजना को पूरी तरह लागू करने और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे वादे भी किए हैं। संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हुई है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सत्ता में आने पर कथित घोटालों और कानून व्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा और जांच तेज गति से होगी। हुमायूं कबीर प्रकरण पर अमित शाह ने यह तक कह दिया कि भाजपा किसी भी कीमत पर उन लोगों के साथ गठबंधन नहीं करेगी जो बंगाल में बाबरी मस्जिद जैसी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा भले 20 साल और विपक्ष में बैठना पसंद करेगी लेकिन सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी।

इसी बीच हुमायूं कबीर विवाद ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है। तृणमूल कांग्रेस द्वारा जारी एक कथित वीडियो में कबीर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं जिसमें उनके भाजपा से संपर्क और अल्पसंख्यक वोटों को प्रभावित करने की रणनीति की बात कही गई है। वीडियो में कथित तौर पर धन के लेनदेन और बड़े स्तर की योजना का भी जिक्र है। तृणमूल ने इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय से जांच की मांग कर दी है। हालांकि हुमायूं कबीर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे साजिश करार दिया है और मानहानि का मुकदमा करने की बात कही है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने भी कबीर की पार्टी से दूरी बना ली है, जिससे राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सांप पर भरोसा किया जा सकता है लेकिन भाजपा पर नहीं। उनके इस बयान ने चुनावी माहौल को और ज्यादा आक्रामक बना दिया है। ममता बनर्जी लगातार भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगा रही हैं, जबकि भाजपा राज्य में परिवर्तन और विकास का नारा बुलंद कर रही है। देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि पश्चिम बंगाल का चुनाव इस बार बेहद दिलचस्प और कांटे का होने वाला है। एक तरफ भाजपा अपने वादों और आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में है, तो दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस अपने गढ़ को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

चुनावी रैली में भाजपा पर बरसीं ममता

सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन उनपर नहीं

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उत्तर 24 परगना जिले के टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के वोटों पर भरोसा नहीं था। इसलिए पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए बाहर से लोग बुलाए। ममता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश से 50,000 लोगों को ट्रेन में भरकर असम लाया गया।

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के राज में देश की कोई भी एजेंसी निष्पक्ष नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसरिया पार्टी ने सभी एजेंसियों को खरीद लिया है। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, श्एक सांप पर तो भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर कभी नहीं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग काफी तेज हो गई है। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इन 90 लाख नामों में से 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम हैं। उन्होंने असम के एनआरसी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी 19 लाख नाम लिस्ट से बाहर किए गए थे, जिनमें 13 लाख हिंदू और 6 लाख मुस्लिम थे।

सीडब्ल्यूसी बैठक में कांग्रेस की रणनीति, महिला आरक्षण पर विपक्ष को एकजुट करेंगे खरगे

नई दिल्ली,एजेंसी। सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पार्टी महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर आगे बढ़ेगी। खड़गे ने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों का हमारी चुनावी व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता हैय इसलिए एक सामूहिक रणनीति बनाने की जरूरत है।ष उन्होंने कहा कि जब 2023 में बिल पास हुआ था, तब कांग्रेस ने महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग की थी, लेकिन सरकार इसे परिसीमन और जनगणना के बाद लागू करना चाहती थी। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद खड़गे ने कहा, ष्महिलाओं और हाशिए पर पड़े वर्गों के कल्याण जैसे मुद्दों पर हमें किसी से भी मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है। महिला आरक्षण विधेयक से जुड़े घटनाक्रम पर चर्चा के लिए कांग्रेस सीडब्ल्यूसी ने शुक्रवार को बैठक की. बैठक में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, रेवंत रेड्डी, सुखविंदर सिंह सुखो जैसे कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में उपस्थित अन्य लोगों में जीतेंद्र सिंह, चरणजीत सिंह चन्नी, सलमान खुर्शीद, दीपादास मुंसी, आनंद शर्मा, सारिक अनवर, सचिन पायलट, अंबिका सोनी, नासिर हुसैन और भूपेश बघेल शामिल थे।

कांग्रेस पार्टी ने संसद के तीन दिन के विशेष सत्र से पहले, जो 16 अप्रैल से शुरू होने वाला है, महिला आरक्षण बिल पर एक बैठक बुलाई है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब संसद 16 अप्रैल से तीन दिन के विशेष सत्र के लिए मिलने वाली है, जिसका मुख्य फोकस महिला आरक्षण संशोधन बिल पर होगा। सरकार ने दो बड़े संशोधनों की योजना बनाई है। 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने महिलाओं के आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन से जोड़ दिया था। जनगणना में देरी के कारण, अब 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर आगे बढ़ने की योजना है।

परिसीमन और सीटों के पुनर्वितरण का आधार 2011 की जनगणना होगी। संशोधन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के लिए संसद में एक बिल पेश किया जाएगा। एक अलग परिसीमन बिल पेश किया जाएगा।

बंगाल में मतदाता सूची फ्रीज करने का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को फ्रीज करने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। चुनाव आयोग के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 13 अप्रैल को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले पर नई याचिका के साथ लंबित याचिकाओं पर भी विचार करने पर सहमति जताई। चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान वाली विधानसभा सीटों के लिए नौ अप्रैल को मतदाता सूची को अंतिम रूप देते हुए फ्रीज कर दिया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। मतदाता सूची फ्रीज करने का मतलब है कि इस विधानसभा चुनावों के लिए सूची में किसी भी नए व्यक्ति को जोड़ा नहीं जा सकेगा, जिसका नाम हटा दिया गया है। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ के समक्ष एक वकील ने मतदाता सूची को फ्रीज करने के फैसले के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया। वकील ने बताया कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ कई अपीलें अभी भी लंबित हैं, जबकि चुनाव आयोग ने नौ अप्रैल को ही सूची को फ्रीज कर दिया है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम 13 अप्रैल को याचिका पर विचार करेंगे। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डी. एस. नायडू ने बताया कि सूची फ्रीज करने की अंतिम तिथि नौ अप्रैल थी।

टॉवर लगाने के नाम पर बुजुर्ग से 8,86,315 रुपये की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के दलापुर गांव निवासी एक बुजुर्ग से जालसाजों ने टॉवर लगाने के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। गांव निवासी कृष्ण देव दुबे से अग्रवाल टॉवर बांबे द्वारा एग्रीमेंट के नाम पर 8,86,315 रुपये का भुगतान करा लिया और 16 फरवरी को टॉवर लगाने के लिए कहा गया था। निश्चित समय पर टॉवर नहीं लगने पर जब कृष्ण देव ने कंपनी से संपर्क किया तो लेबर उपलब्ध नहीं होने का बहाना कर एक अप्रैल से काम चालू होने के लिए कहा गया पर ऐसा नहीं हुआ। आरोप है कि उन्होंने रुपये जमा कराने वाले दिनेश तिवारी से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि अभी हिमाचल प्रदेश में टॉवर लगाने का काम हो रहा है। उसके बाद फोन बंद कर दिया। भुक्तभोगी ने अपना पैसा वापस दिलाने के लिए उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर बुधवार को देर रात पुलिस ने अग्रवाल टॉवर ग्रुप, क्रास रोड बंगलूरू, कर्नाटक एवं दिनेश तिवारी पता अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

ट्रक चालकों से वसूली का वीडियो वायरल, युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। लेप्रोसी चौराहे पर ट्रक चालकों से वसूली करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। बुधवार रात युवक द्वारा ट्रैकों से वसूली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद इंस्पेक्टर नैनी की तहरीर पर उसके खिलाफ रंगदारी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। करछना थाना क्षेत्र के लाकदहिया गांव निवासी राकेश सिंह उर्फ पप्पू पुत्र मानिक चंद्र सिंह लेप्रोसी चौराहे पर अक्सर खड़ा रहता था। आरोप है कि वह ट्रक चालकों से जबरन वसूली करता था। बुधवार रात किसी ने इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए पुलिस के अधिकारियों को एक्स पर पोस्ट कर दिया। इसकी जानकारी होने पर बुधवार की रात आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। इंस्पेक्टर की तहरीर पर उसके खिलाफ रंगदारी समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इंस्पेक्टर नैनी का कहना है कि उसे जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि वह दूरदराज से आई गाड़ियों को रास्ता बताता था। गाइड का काम करता था।

शिमला और मनाली के लिए हवाई टूर पैकेज लॉन्च, 30 अप्रैल से छह मई तक चलेगा रोमांचक सफर

प्रयागराज। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने 'शिमला–मनाली रू समर एस्केप' नाम से विशेष घरेलू हवाई टूर पैकेज की घोषणा की गई है। छह रात और सात दिन का यह रोमांचक सफर 30 अप्रैल से शुरू होकर छह मई तक चलेगा। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने 'शिमला–मनालीः समर एस्केप' नाम से विशेष घरेलू हवाई टूर पैकेज की घोषणा की गई है। छह रात और

सात दिन का यह रोमांचक सफर 30 अप्रैल से शुरू होकर छह मई तक चलेगा। यात्रा की शुरुआत लखनऊ से हवाई मार्ग से चंडीगढ़ पहुंचने के साथ होगी। आईआरसीटीसी ने इसमें ठहरने के लिए होटलों, नाश्ते और रात्रि भोजन के साथ–साथ स्थानीय भ्रमण के लिए वाहन और अनुभवी टूर एस्कॉर्ट की व्यवस्था भी शामिल की है। इस सफर के दौरान पर्यटक चंडीगढ़ के प्रसिद्ध रॉक गार्डन और सुखना लेक से लेकर शिमला की मॉल रोड और कुफरी के मनमोहक दृश्यों का आनंद ले सकेंगे।

इसके अलावा मनाली में हिडिम्बा देवी मंदिर, अटल टनल और सोलंग वैली जैसी प्रमुख जगहों की सैर कराई जाएगी। दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर प्रति व्यक्ति खर्च 44,500 निर्धारित किया गया है, जबकि अकेले यात्री के लिए यह 58,500 रुपये होगा। बच्चों के लिए भी उम्र के अनुसार रियायती दरें तय की गई हैं। इसकी बुकिंग आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से कराई जा सकती है।

हाईकोर्ट पानी टंकी के पुराने पुल से बंद हुआ आवागमन, शीघ्र शुरू होगी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

प्रयागराज। हाईकोर्ट पानी की टंकी से खुसरोबाग लीडर रोड को जोड़ने वाला पुराना रेलवे ओवर ब्रिज शुक्रवार से हमेशा के लिए बंद कर दिया गया है। पूरी तरह से जर्जर हो चुके 100 साल से ज्यादा पुराने इस पुल को तोड़कर दूसरे पुल का निर्माण कराया जाएगा। हाईकोर्ट पानी की टंकी से खुसरोबाग लीडर रोड को जोड़ने वाला पुराना रेलवे ओवर ब्रिज शुक्रवार से हमेशा के लिए बंद कर दिया गया है। पूरी तरह से जर्जर हो चुके 100 साल से ज्यादा पुराने इस पुल को तोड़कर दूसरे पुल का निर्माण

कराया जाएगा। नए पुल की स्वीकृति भी मिल गई है जिसे 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

दिल्ली–हावड़ा रूट पर प्रयागराज जंक्शन के पास बना यह सौ साल से पुराना यह आरओबी शहर के लूकरगंज, हिम्मतगंज, चकिया, खुल्दाबाद, अटाला, प्रयागराज जंक्शन, लीडर रोड, जानसेनगंज, विवेकानंद मार्ग, रामबाग, कालिंदीपुर, सूबेदारगंज, धूमनगंज, राजरूपपुर, बेनीगंज, रोशनबाग, ट्रिपलआईटी आदि इलाकों को जोड़ता है। पुल को तोड़ने के लिए एनसीआर रेलवे और जिला प्रशासन की ओर से सार्वजनिक सूचना जारी कर दी गई है। पुल का निर्माण राजकीय सेतु निर्माण निगम की ओर से कराया जाएगा। रेलवे ट्रैक के ऊपर के हिस्से का कार्य रेलवे की ओर से कराया जाएगा। शुक्रवार से पुल के दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

28–29 अप्रैल को आ सकता है यूपी बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम, तैयारी अंतिम चरण में

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा–2026 का परिणाम 28 या 29 अप्रैल को घोषित किया जा सकता है। परिषद ने परिणाम जारी करने की तैयारियां तेज कर दी हैं।

माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा–2026 का परिणाम 28 या 29 अप्रैल को घोषित किया जा सकता है। परिषद ने परिणाम जारी करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। परिषद के स्तर पर परीक्षार्थियों के आंतरिक अंक अपलोड कर दिए गए हैं। वहीं, जिन छात्रों की प्रयोगात्मक (प्रैक्टिकल) परीक्षाएं छूट गई थीं, उन्हें भी संपन्न करा लिया गया है।

हाल ही में ऑनलाइन डाटा परीक्षण के दौरान यह सामने आया कि 652 प्रयोगात्मक परीक्षा केंद्रों पर बाह्य परीक्षकों द्वारा अंक अपलोड किए जाने के बावजूद आंतरिक परीक्षकों

ने विद्यालय लॉगिन से अंक अपलोड नहीं किए। इससे करीब 34,637 परीक्षार्थियों का परिणाम प्रभावित होने की आशंका थी। स्थिति को देखते हुए परिषद ने छह व सात अप्रैल को वेबसाइट फिर से सक्रिय कर आंतरिक अंकों को अपलोड करने का मौका दिया, जिससे छात्रों को राहत मिली।

प्रैक्टिकल परीक्षाएं लगभग पूरी

इंटरमीडिएट की शेष प्रयोगात्मक परीक्षाएं नौ व 10 अप्रैल को आयोजित होनी थीं, जो लगभग पूरी हो चुकी हैं। ये परीक्षाएं छात्रों के अपने विद्यालय में कराई गईं। छूटे हुए छात्रों की परीक्षा डीआईओएस व क्षेत्रीय कार्यालयों की देखरेख में जिला मुख्यालय पर कराई गई।

त्रुटियों में संशोधन के निर्देश

जिन परीक्षार्थियों के नाम, माता–पिता के नाम या जेंडर में अंग्रेजी से हिंदी रूपांतरण के कारण त्रुटियां थीं, उनमें 10 अप्रैल तक हर हाल में सुधार के निर्देश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने प्रदेश के सभी प्रधानाचार्यों को दिए हैं।

पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार थोड़ी देरी संभव

वर्ष 2025 में यूपी बोर्ड का परिणाम 25 अप्रैल को घोषित हुआ था। इस बार मूल्यांकन में तीन दिन की देरी के चलते परिणाम तीन–चार दिन बाद आने की संभावना जताई जा रही है। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि रिजल्ट जारी करने की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं और जल्द इसे जारी कर दिया जाएगा।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड– गोकशी की मुखबिरी के शक में चल रही थी रंजिश, बेटे ने खोले कई राज

प्रयागराज। गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में बाइक सवार बदमाशों का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं लग सका है। वहीं, पुलिस की जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। इरफान के बेटे मोहम्मद आमिर ने पुलिस को कई जानकारियां दी हैं।

गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में बाइक सवार बदमाशों का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं लग सका है। वहीं, पुलिस की जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। इरफान के बेटे मोहम्मद आमिर ने पुलिस को कई जानकारियां दी हैं। इसमें जमीन के विवाद के साथ गोकशी की मुखबिरी के शक में भी वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है। आमिर ने बताया कि उनका व चकिया के रहने आसिफ दुर्रानी का परिवार आपस में रिश्तेदार है। आसिफ की बहन उनके घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर रहती है। आरोप लगाया कि करीब पांच साल पूर्व गोकशी के मामले में पुलिस को शक था कि आसिफ अपनी बहन के घर में छिपा है। पुलिस की टीम ने उसकी बहन के घर पर छापा मारा था। इसके बाद से इन लोगों को शक था कि आमिर ने ही पुलिस से मुखबिरी की है।

इसी शक के चलते दोनों पक्षों के बीच लगातार विवाद होता रहा। आरोप लगाया कि आसिफ ने पिता इरफान को कई बार फोन कर मुखबिरी के बारे में आगाह कर धमकी दी गई थी कि बेटे को समझा लो, आगे से ऐसा न हो। इसलिए आसिफ व इरफान में पिछले लंबे समय से बोलचाल बंद थी। सिर्फ जरूरी कामों को लेकर ही बात होती थी। आमिर का कहना है कि इसी रंजिश के चलते साजिश के तहत उसके पिता की हत्या की गई है।

घटना से एक–डेढ़ घंटे पहले घर से कहीं चली गई थी आसिफ की बहन

दूसरी तरफ, इरफान के बेटे मोहम्मद आमिर का आरोप है कि घटना से करीब एक–डेढ़ घंटे पहले आसिफ की बहन अपने घर से कहीं चली गई। यही नहीं, जल्दबाजी में उसने अपने घर के दरवाजे पर ताला भी नहीं लगाया था। हालांकि, पुलिस बयान के आधार पर सभी तथ्यों को खंगालने में जुट गई है, सभी आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

मामले के कुछ प्रमुख तथ्य

1– इरफान और आसिफ कई वर्ष पूर्व जमीन का एक साथ काम करते थे, लेकिन दोनों में विवाद होने के बाद इन दोनों ने अपना काम अलग कर लिया था।

2– इरफान के गांव में स्थित एक जमीन को लेकर भी दोनों के बीच विवाद की बात सामने आई है, इसे लेकर भी पुलिस जांच कर रही है।

3– करीबी रिश्तेदार से रुपये के लेनदेन की बात भी पुलिस जांच में सामने आई है, इसे लेकर भी पुलिस सभी पहलुओं को खंगाल रही है।

4– करीब पांच साल पहले गोकशी के मामले में मुखबिरी करने के शक में भी हत्या करने की बात सामने आ रही है। पुलिस इसकी भी जांच कर रही है।

अगले दिन दुकानें रहीं बंद, पसरा सन्नाटा

घटना के अगले दिन गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहे के पास सन्नाटा पसरा रहा। ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। लोग घटना से सहमे नजर आए और हर कोई वारदात के बारे में चर्चा करता रहा। दुकानदारों का कहना है कि सुबह से ही लोग घरों में रहे और बाजार सूना नजर आया।

आसिफ समेत आरोपियों के मोबाइल नंबर बंद

पुलिस जांच में आसिफ दुर्रानी समेत अन्य आरोपियों के मोबाइल नंबर बंद मिले। हालांकि, रेकी करने का आरोपी पुलिस हिरासत में है। वहीं, कई संदिग्धों को पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया है।

जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल में लापरवाही पर बीडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि

प्रयागराज। जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल में लापरवाही बरतने पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने हंडिया के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की है। यह कार्रवाई उन्होंने भदोही के सांसद विनोद बिंद की शिकायत पर की है।

जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल में लापरवाही बरतने पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने हंडिया के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की है। यह कार्रवाई उन्होंने भदोही के सांसद विनोद बिंद की शिकायत पर की है।

कलक्ट्रेट के संगम सभागार में बृहस्पतिवार को हुई जिला विकास निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में भदोही के सांसद डॉ. विनोद बिंद ने डीएम के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि हंडिया व सैदाबाद के बीडीओ उनकी सुनते नहीं हैं और जब सांसद के प्रतिनिधि शिकायत लेकर जिला विकास अधिकारी के पास जाते हैं तो वह भी अनसुना कर देते हैं। इस पर डीएम ने हंडिया के बीडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता न बरती जाए।

वहीं, मनेरगा के भुगतान में

अनियमितता की शिकायत पर डीएम ने उप आयुक्त मनरेगा को आड़े हाथों लेते हुए गंभीरता बरतने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि सुधार न होने पर अगली बैठक में कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। बैठक में विधायक बारा वाचस्पति व विधायक मेजा संदीप पटेल और विधान परिषद सदस्य केपी श्रीवास्तव ने समिति के समक्ष मटियारी, कंजासा सहित अन्य क्षेत्रों में जलभराव की समस्या और कर्णावती नदी के जीर्णोद्धार व सफाई से संबंधित मुद्दा उठाया। समिति की ओर से कहा गया कि मनरेगा के माध्यम से जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी निकासी के लिए कच्चे नालों की सफाई व सहायक नदियों का जीर्णोद्धार कराया जाए।

समिति ने गंगापार व यमुनापार के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की छोटी नदियों की साफ–सफाई व जीर्णोद्धार के लिए कार्ययोजना बनाए जाने और ऐसे जलभराव वाले क्षेत्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए कमेटी गठित करने के लिए कहा। इसपर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को एक माह में परीक्षण करने व कच्चे नालों की सफाई की व्यवस्था के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

समिति ने भोकरी गांव में छात्रों की संख्या अत्यधिक होने के कारण अतिरिक्त कक्ष या अतिरिक्त विद्यालय बनाए जाने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, विधायक हंडिया हाकिम लाल बिंद, विधायक प्रतापपुर विजमा यादव, विधायक सोरांव गीता शास्त्री, नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषिराज आदि मौजूद रहे।

एक साल में तीन रेजिडेंट डॉक्टरों ने किया आत्महत्या का प्रयास, मानसिक तनाव बताया जा रहा कारण

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू (एमएलएन) मेडिकल कॉलेज में दो साल के भीतर दो रेजिडेंट डॉक्टरों की मौत के बाद काफी हलचल है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज के भीतर मानसिक तनाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मोती लाल नेहरू (एमएलएन) मेडिकल कॉलेज में दो साल के भीतर दो रेजिडेंट डॉक्टरों की मौत के बाद काफी हलचल है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज के भीतर मानसिक तनाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच यह भी बात सामने आई है कि पिछले एक साल के भीतर अलग–अलग विभागों के करीब तीन रेजिडेंट डॉक्टरों ने आत्महत्या का प्रयास किया है। इनमें दो रेजिडेंट स्त्री रोग विभाग व एक साइकेट्री विभाग से हैं। हालांकि, समय रहते उपचार मिलने से इनकी जान बच गई। कई स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि जरूरत से ज्यादा काम और मानसिक तनाव के चलते इस प्रकार की समस्याएं सामने आ रही हैं। इसके लिए रेजिडेंट डॉक्टरों पर शिकायत न करने का दबाव बनाया जाता है। इसके कारण वे अपनी बात किसी से कह नहीं पाते और अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि पिछले साल साइकेट्री विभाग में थ्योरी पास कर चुके रेजिडेंट को मनमाने तरीके से प्रैक्टिकल में फेल कर दिया गया।

साइबर जांच के नाम पर केवल संदिग्ध राशि होगी होल्ड, बाकी पैसों का कर सकेंगे इस्तेमाल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साइबर अपराधों की जांच के दौरान बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि अब पुलिस या कोई भी जांच एजेंसी संदिग्ध लेनदेन के आधार पर किसी व्यक्ति का पूरा बैंक खाता फ्रीज नहीं करा सकेगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साइबर अपराधों की जांच के दौरान बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि अब पुलिस या कोई भी जांच एजेंसी संदिग्ध लेनदेन के आधार पर किसी व्यक्ति का पूरा बैंक खाता फ्रीज नहीं करा सकेगी। जांच के दौरान केवल उसी विशिष्ट राशि पर लियन (रोक) लगाई जाएगी, जिसके अपराध से जुड़े होने का पुख्ता संदेह हो। शेष वैध राशि का खाताधारक उपयोग कर सकेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार, न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने कानपुर नगर निवासी आशीष रावत बनाम भारत संघ और अन्य सहित कई समान याचिकाओं पर दिया। याचियों के अधिवक्ताओं शमशुल इस्लाम, आकाश कुमार शर्मा, अश्वनी कुमार ने दलील दी कि बिना सूचना व एफआईआर के उनके पूरे खातों को अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कर दिया है। यह याचियों के आजीविका व वित्तीय अधिकारों का उल्लंघन है। कोर्ट ने पाया कि बीएनएसएस की धारा–106 (कुर्की) के प्रावधानों का अक्सर गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को अपनी ही गाढ़ी कमाई का इस्तेमाल करने से वंचित होना पड़ता है। कोर्ट ने आदेश दिया कि संबंधित बैंक इस फैसले की प्रति प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर उन सभी खातों के परिचालन को बहाल करेंगे, जो इन याचिकाओं का विषय है। बैंक केवल उसी राशि को फ्रीज रखेंगे, जिसका विवरण जांच अधिकारी ने लिखित में दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस जब भी धारा–106 के तहत किसी बैंक को निर्देश जारी करेगी तो उसे स्पष्ट रूप से उस संदिग्ध राशि का उल्लेख करना होगा, जो किसी अपराध से जुड़ी है। साथ ही खाता फ्रीज करने पर खाताधारक को इसकी सूचना दी जाएगी। साथ ही खाताधारक फ्रीज किए जाने को संबंधित अधिकार क्षेत्र वाले मजिस्ट्रेट के समक्ष डीफ्रीज करने की गुहार लगा सकेगा। इसी के साथ कोर्ट ने कई याचिकाओं को इन निर्देशों के साथ स्वीकार कर लिया है।

खजुराहो में कर्ड लाइन से अब बिना इंजन बदले फर्राटा भरेंगी यात्री ट्रेनें

प्रयागराज। यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तर मध्य रेलवे ने खजुराहो में निर्मित कर्ड लाइन से अब यात्री ट्रेनों को भी चलाने की तैयारी की है। इससे प्रयागराज से खजुराहो के रास्ते ललितपुर, टीकमगढ़, उज्जैन, इंदौर जाने वाली ट्रेनों के संचालन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और यात्रियों के समय में भारी बचत होगी। यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तर मध्य रेलवे ने खजुराहो में निर्मित कर्ड लाइन से अब यात्री ट्रेनों को भी चलाने की तैयारी की है। इससे प्रयागराज से खजुराहो के

रास्ते ललितपुर, टीकमगढ़, उज्जैन, इंदौर जाने वाली ट्रेनों के संचालन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और यात्रियों के समय में भारी बचत होगी। साथ ही ट्रेनों को खजुराहो स्टेशन पर लाने और फिर दिशा बदलने के लिए इंजन को आगे–पीछे करने की लंबी प्रक्रिया से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। वर्तमान में उत्तर मध्य रेलवे के खजुराहो जाने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों को स्टेशन पर लाने के बाद इंजन की दिशा बदलनी पड़ती है, जिसमें करीब 30 से 45 मिनट का समय बर्बाद होता है।

कर्ड लाइन एक तरह का बाईपास रेल ट्रैक होगा, जो ट्रेनों को मुख्य लाइन से सीधे जोड़ देगा। इससे महोबा की ओर से आने वाली और झांसी या अन्य दिशाओं को जाने वाली ट्रेनें बिना खजुराहो स्टेशन के अंदर प्रवेश किए या बिना इंजन बदले सीधे अपने गंतव्य की ओर निकल सकेंगी। अभी वहां कर्ड लाइन से सिर्फ मालगाड़ियां ही संचालित हो रही हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस कर्ड लाइन से न केवल यात्री ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि रेलवे नेटवर्क की क्षमता में भी इजाफा होगा। पर्यटकों के लिए यह सुविधा विशेष रूप से फायदेमंद होगी, क्योंकि इससे सफर का समय कम होगा और खजुराहो की कनेक्टिविटी और अधिक सुगम हो जाएगी। इस परियोजना के लिए सर्वे और शुरुआती कागजी औपचारिकताएं तेज कर दी गई हैं, ताकि जल्द ही इसे एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए फिट घोषित किया जा सके।

कर्ड लाइन से अब एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन की तैयारी है। इसके लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। तकनीकी काम पूरा होते ही कर्ड लाइन से एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। – शशिकांत त्रिपाठी, सीपीआरओ, एनसीआर

एक पुस्तक के जरिये धार्मिक पुस्तक का अपमान करने के आरोपी संपादक को राहत देने से इन्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक पुस्तक के जरिये धार्मिक पुस्तक का अपमान करने के आरोपी संपादक को राहत देने से इन्कार कर दिया। कहा कि डिस्चार्ज आवेदन पर विचार करने के दौरान ट्रायल कोर्ट सिर्फ यह देखता है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक पुस्तक के जरिये धार्मिक पुस्तक का अपमान करने के आरोपी संपादक को राहत देने से इन्कार कर दिया। कहा कि डिस्चार्ज आवेदन पर विचार करने के दौरान ट्रायल कोर्ट सिर्फ यह देखता है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं। केस डायरी और जांच के दौरान एकत्र सामग्री में आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त आधार मौजूद हैं। ऐसे में डिस्चार्ज आवेदन को निरस्त करने के आदेश में कोई अवैधता नहीं है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की एकल पीठ ने आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी खारिज कर दी। 2004 में गाजीपुर के करंडा थाने में यशू जी महाराज और अन्य के खिलाफ विवादित पुस्तक प्रकाशित करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप था कि पुस्तक समाज में धार्मिक विद्वेष फैलाने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से प्रकाशित की गई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने पाया कि इस पुस्तक का संपादन मदन गोपाल सिन्हा ने किया था। प्रकाशन वाराणसी के संजय पुस्तक भंडार से हुआ था। ट्रायल कोर्ट की ओर से डिस्चार्ज आवेदन को खारिज किए जाने के खिलाफ याची ने हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी दायर की।

खेतों में कटी गेहूं से फूटे अंकुर, ओलावृष्टि से बर्बाद फसल देख रो पड़े किसान

ग्राम पटलौनी में गेहूं की फसल पूरी तरह चौपट

मथुरा। जनपद के ग्राम पटलौनी में हाल ही में हुई ओलावृष्टि और बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल में ही दाने अंकुरित होने लगे हैं, जिससे पूरी फसल खराब हो गई है। यह दृश्य देखकर किसान फफक–फफक कर रोने को मजबूर हैं। बताया जा रहा है कि पटलौनी मौजा के खसरा संख्या 890, 866,895,897 आदि के

अंतर्गत आने वाले खेतों में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। किसानों ने बड़ी मेहनत से गेहूं की कटाई की थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने उनकी उम्मीदों को तोड़ दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, ओलों की मार से पहले ही फसल जमीन पर गिर गई थी और उसके बाद हुई बारिश के कारण गेहूं के दानों में नमी आ गई, जिससे खेतों में ही अंकुर फूटने लगे। इससे अनाज पूरी तरह अनुपयोगी हो गया है।

पीड़ित किसानों का कहना है कि उनकी महीनों की मेहनत बर्बाद हो गई है और अब उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि वे इस भारी नुकसान से उबर सकें। इस दौरान अनामिका, मनोज गौतम, पदम कुमार, सुरेश कुमार, उदय वीर आदि मौजूद रहे।

केमिकल और साइड इफेक्ट-फ्री इलाज से जुड़ें आमजन, मंत्री दयालु ने की प्रदेशवासियों से अपील

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु ने प्रदेशवासियों से केमिकल और साइड इफेक्ट–फ्री उपचार पद्धतियों को अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में सुरक्षित, प्रभावी और प्राकृतिक इलाज की मांग तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में होम्योपैथी एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभर रही है। शुक्रवार को विश्व होम्योपैथी दिवस (10 अप्रैल) के अवसर पर अपने संदेश में मंत्री ने होम्योपैथी की उपयोगिता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक उपचार पद्धति नहीं, बल्कि शरीर की आंतरिक रोग–प्रतिरोधक क्षमता को सशक्त बनाने का माध्यम भी है। उन्होंने बताया कि होम्योपैथी का मूल सिद्धांत षसिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटरष है, जिसका अर्थ है–जैसा रोग, वैसी ही दवा। यह सिद्धांत रोग को जड़ से समाप्त करने की दिशा में कार्य करता है और शरीर को संतुलित रूप से स्वस्थ बनाने में सहायक होता है। आयुष मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में लोग साइड इफेक्ट–फ्री और केमिकल–फ्री उपचार की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षित, सरल और प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आई है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे होम्योपैथी के प्रति जागरूकता बढ़ाएं और प्राकृतिक जीवनशैली को अपनाते हुए स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

ठंडी हवाएं हुई गायब, अब झुलसाने वाली गर्मी तोड़ेगी रिकॉर्ड

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अपनी करवट बदल ली है। पिछले कुछ दिनों से जारी आंधी और बेमौसम बारिश का दौर अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में अब भीषण गर्मी की शुरुआत होने वाली है। अगले एक हफ्ते के भीतर तापमान में भारी बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी, जिससे लोगों को तपन का अहसास होगा। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले 7 दिनों में उत्तर प्रदेश के अलग–अलग जिलों में अधिकतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक उछल सकता है। आने वाले दिनों में कई शहरों में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचने की संभावना है, जिससे दोपहर के समय घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा। लखनऊ के अमौसी स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक 11 और 12 अप्रैल तक पूरे प्रदेश (पूर्वी और पश्चिमी यूपी) में मौसम साफ रहेगा। कड़ी ध्‍ूप खिलेगी। वहीं धूप के साथ–साथ 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शुष्क हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने फिलहाल 3 दिनों के लिए पूरे प्रदेश को ग्रीन जोन में रखा है, जिसका मतलब है कि अभी बारिश या बिजली गिरने (वज्रपात) का कोई खतरा नहीं है। गोरखपुर से लेकर आगरा तक धूप के तेवर तीखे रहेंगे। मुख्य रूप से इन जिलों में गर्मी का ज्यादा असर दिखेगा उनमें वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ, आगरा, मथुरा, झांसी, बरेली, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, गाजीपुर, और बुंदेलखंड के इलाके (बांदा, महोबा, ललितपुर)। इन सभी जिलों में आज से तापमान में लगातार बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी।

ईसीजी नसीब नहीं था, आज वही प्रदेश बचा रहा जीवन

लखनऊ, संवाददाता। सीएसआई के एनआईसी 2026 सम्मेलन के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी के भीड़ भरे सभागार में जब डॉ. शरत चंद्रा ने बोलना शुरू किया, तो उनका स्वर सिर्फ एक डॉक्टर का नहीं, बल्कि एक बेटे का भी था जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था की सीमाओं को बहुत करीब से महसूस किया था। उन्होंने वर्ष 2005 की एक घटना साझा की। दिसंबर की एक रात करीब 10 बजे चंदौसी स्थित उनके घर से पिता का फोन आया कि बेटा सीने में दर्द हो रहा है, क्या करूं? एक डॉक्टर बेटे के रूप में उन्होंने सहज ही कहा– पापा, कहीं पास में जाकर ईसीजी करा लीजिए। पिता ने कहा कि इस समय रात में ईसीजी कहां हो पाएगा, सुबह ही कराएंगे। डॉ. चंद्रा ने कहा कि उस रात सिर्फ मेरे पिता ही नहीं, मैं भी जागता रहा। अगले दिन ईसीजी सामान्य आया, लेकिन वह रात उनके मन में एक सवाल छोड़ गई कि क्या हमारे पास समय पर इलाज की व्यवस्था है? उन्होंने कहा कि आज, दो दशक बाद, उसी उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल चुकी है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अब दिल का दौरा पड़ने पर मरीज को सुबह का इंतजार नहीं करना पड़ता। 'हृदय सेतु' जैसे प्रयासों ने बड़े संस्थानों जैसे एसजीपीजीआई, केजीएमयू और डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस को जिला अस्पतालों से जोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि पहले जहां एंजियोप्लास्टी जैसे उपचार केवल बड़े शहरों तक सीमित थे, वहीं अब सुल्तानपुर, जौनपुर, बहराइच, गोंडा और बस्ती जैसे जिलों में भी यह सुविधा उपलब्ध है। अब मरीज को केवल दूरी नहीं, बल्कि समय से भी लड़ना नहीं पड़ता।

भारतीय इतिहास संकलन समिति काशी प्रांत की बैठक में प्रयागराज जनपद की कार्यकारिणी का गठन

प्रयागराज। आज दिनांक 10.04.2026 को भारतीय इतिहास संकलन समिति काशी प्रांत, प्रयागराज महानगर की बैठक प्रो0 आनंद शंकर सिंह, प्रांतीय अध्यक्ष, भारतीय इतिहास संकलन समिति काशी प्रांत की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान अशोक नगर में हुई। प्रो0 आनंद शंकर सिंह ने भारतीय इतिहास संकलन समिति के उद्देश्य, कार्यों और इतिहास लेखन की नवीन प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला। बैठक में प्रयागराज के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में कार्यकारिणी का गठन करते हुए भारतीय इतिहास संकलन समिति, प्रयागराज जनपद कार्यकारिणी के सदस्यों को उनके दायित्वों से परिचित कराया गया।

बैठक में प्रयागराज जनपद की समिति हेतु प्रो0 रीतू जायसवाल, अध्यक्ष, एस.एस. खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज, डॉ0 रागिनी राय, उपाध्यक्ष, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, डॉ0 मनोज कुमार दुबे, उपाध्यक्ष, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, डॉ0 हरेन्द्र नारायण सिंह, महासचिव, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, डॉ0 गौरव कुमार राय, सचिव, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, डॉ0 सुधा कुमारी, सह सचिव, आर्य कन्या गर्ल्स डिग्री कॉलेज, डॉ0 शिखा पाठक, सह सचिव, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, प्रो0 रचना सिंह, अध्यक्ष, वरिष्ठ इतिहासकार परिषद, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, डॉ0 अश्विनी देवी, अध्यक्ष, महिला इतिहासकार परिषद, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, डॉ0 आलोक कुमार सिंह, अध्यक्ष, युवा इतिहासकार परिषद, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, डॉ0 रजनी कान्त राय, महासचिव, युवा इतिहासकार परिषद, एस.पी.एम. डिग्री कॉलेज, डॉ0 नीरज कुमार सिंह, अध्यक्ष, लेखक परिषद, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, डॉ0 कमल कृष्ण रे, महासचिव, लेखक परिषद, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, डॉ0 प्रेम प्रकाश सिंह, प्रचार प्रमुख, ई.सी.सी., डॉ0 सुनील कुमार, कोषाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में सर्वसम्मति से मनोनीत किए गए।

संबंधित स्तर पर विश्वविद्यालयों के कार्य को गति देने हेतु विश्वविद्यालयीय समिति का भी गठन हुआ जिसमें प्रो0 राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ0 आनन्द प्रताप चंद, उपाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ0 सर्वेश सिंह, महासचिव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, श्री राजेश सिंह, सचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, श्री आलोक कुमार, सह–सचिव, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, श्री प्रशांत मौर्य, सह–सचिव, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, डॉ0 योगेश यादव, अध्यक्ष, युवा इतिहासकार, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, डॉ0 भगत नारायबण महतो, महासचिव, युवा इतिहासकार, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, श्री पवन सिंह, सचिव, युवा इतिहासकार, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज का मनोनयन किया गया।

संचालन डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह, सचिव, काशी प्रांत एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 संतोषा कुमार, संयोजक, विद्वत परिषद, काशी प्रांत ने किया।

दिव्य 'रासलीला' से नई पीढ़ी को जोड़ने का अभिनव प्रयास

द्वापर की लीलाओं को उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित 'गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी' युवा वर्ग तक पहुंचा रहा

शारदा विवि, ब्रज कला केंद्र, मंगलायतन विवि, अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कालेज समेत कई संस्थानों में जागी रासलीला मंचन सीखने की ललक

वृंदावन। भगवान श्रीकृष्ण, राधा रानी एवं सखियों द्वारा द्वापर युग में की गई दिव्य लीलाएं आज कलियुग में 'रासलीला' के रूप में विख्यात हैं। ब्रजभूमि में इन लीलाओं का मंचन सदियों से होता रहा है, जिसने अनगिनत भक्तों को गहन आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान की है।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने बताया कि द्वापर युग की इन लीलाओं को ही कलियुग में 'रासलीला' का स्वरूप प्राप्त हुआ है। वर्तमान में यह परंपरा कुछ आश्रमों तक सीमित होती जा रही है, जिसे पुनः जन–जन तक पहुंचाने के लिए परिषद ने विशेष पहल की है।

इसी उद्देश्य से अकादमी द्वारा स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं को रासलीला का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात ये युवा कलाकार विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं सांस्कृतिक मंचों पर रासलीला का प्रभावशाली मंचन कर रहे हैं।

हाल ही में अलीगढ़ स्थित मंगलायतन विश्वविद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय (आगरा) तथा दिल्ली के ब्रज कला केंद्र में अकादमी के प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रासलीलाओं को दर्शकों ने अत्यंत सराहा। इसके अतिरिक्त ब्रज क्षेत्र के ओपन एयर थिएटर एवं पांचजन्य सभागार में भी समय–समय पर इन लीलाओं का आयोजन किया गया है।

प्रो. खन्ना ने आगे बताया कि संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा के विद्यार्थियों को भी इस परंपरा से जोड़ने हेतु समझौता (एमओयू) किया जा चुका है। शीघ्र ही वहां अभिनय कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियों को रासलीला का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसी क्रम में अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं को तीन माह (1 जनवरी से 31 मार्च) का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के बाद 12 अप्रैल को सायं 4 बजे से महाविद्यालय के 'मातृ सभागार' में 'मुदरिया चोरी' रासलीला का भव्य मंचन किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल बाजपेई के अनुसार, यह प्रस्तुति पूर्णतः छात्राओं द्वारा दी जाएगी। रासलीला का निर्देशन प्रो. दिनेश खन्ना द्वारा किया गया है, जबकि संगीत प्रशिक्षण अकादमी के विशेषज्ञों ने प्रदान किया है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की शिक्षिका श्रीमती मांडवी राठौर एवं गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी कार्यान्वयन नवाचार की मांग करता है: प्रो. सत्यकाम

इविंग क्रिश्चियन कॉलेज, प्रयागराज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रभावी कार्यान्वयन निरंतर नवाचार की मांग करता है," यह बात उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति 'प्रो. सत्यकाम' ने इविंग क्रिश्चियन कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। शिक्षा संकाय, ई.सी.सी., इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आई.सी.एस.एस.आर. के सहयोग से टूकर हाल में 10–11 अप्रैल 2026 को –षराष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में कौशल विकास, रोजगारपरकता और सामाजिक समानता का अंतर्संबंधष विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. सत्यकाम ने जोर देकर कहा कि कौशल विकास, रोजगारपरकता और सामाजिक समानता के बीच सामंजस्य स्थापित करने में शिक्षकों की प्रमुख भूमिका है। उन्होंने एन.ई.पी. 2020 की अनुशंसाओं में निहित चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला और कहा कि आध्यात्मिकता के साथ समग्र विकास, सहानुभूतिपूर्ण और कुशल मनुष्य का निर्माण करता है। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति 'प्रो. पी.के. साहू' ने शांतिनिकेतन से लेकर गांधीजी के 3एच तथा अरबिंदो की समग्र शिक्षा तक शैक्षिक सुधारों के इतिहास को रेखांकित किया। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष 'प्रो. धनंजय यादव' ने कहा कि सामाजिक समानता की शुरुआत जमीनी स्तर से उचित योजना और सभी हितधारकों के आत्मावलोकन के माध्यम से होनी चाहिए, ताकि 2047 तक भारत एक सशक्त राष्ट्र बन सके। महाविद्यालय के प्राचार्य 'प्रो. ए.एस. मोसेस' ने सभी गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कॉलेज के बर्सर 'प्रो. जस्टिन मसीह' ने शिक्षकों को एन.ई.पी. की "रीढ़" बताया और आशा व्यक्त की कि संगोष्ठी के परिणाम भविष्य की कॉलेज योजनाओं का मार्गदर्शन करेंगे। संगोष्ठी के संयोजक 'डॉ. जस्टिन पी. सहाए' ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन सचिव 'डॉ. आशीष सैमुअल हूरी' ने संगोष्ठी की विषय–वस्तु को विस्तार से प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता 'डॉ. पतंजलि मिश्रा' (इ.वि.वि.) एवं 'प्रो. संगीता' (सी.एम.पी.) ने की। महाविद्यालय की उप–प्राचार्या 'प्रो. ज्योतिका रॉय', विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य तथा शिक्षा संकाय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। सत्र का संचालन 'डॉ. रश्मि श्रीवास्तव' ने किया।

काग संदेशा लाते

(छप्पय)

तुलसी से संवाद परिन्दों का फिर आना।
चूल्हे की मुस्कान बिस्तरों का सज जाना।
कोयल गाए गीत काग संदेशा लाते।
गाँवों का यह दृश्य दिलों को बहुत लुभाते।
अभ्यागत के ही लिए ऐसी प्यारी प्रीत है।
हर पक्षी के बोल में अनुपम स्वागत रीत है।।

बन चरणों की धूल साधु की वाणी बन के।
माटी का हर रंग हर रहा है दुख सब के।
हरियाली के बीज समाकर अपने अन्दर।
गाँवों को खुशहाल बनाती है यह हँसकर।
प्रेम सरलता सादगी रहती जिसकी ठाँव में।
भूल गया मानव इसे बैठ शहर की छाँव में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एनएसयूआई का प्रदर्शन, असम मुख्यमंत्री की तस्वीर जलाई

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एनएसयूआई का जोरदार विरोध प्रदर्शन। हजरत गंज चौराहे पर असम मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा की तस्वीर जलाई। उनकी तस्वीर को सड़क पर चिपकाया ऊपर से गाड़िया गुजरी। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर धक्का मुक्की हुई। एनएसयूआई सदस्यों को पुलिस टांग कर ले गई। कार्यकर्ताओं ने मांग किया हेमंत बिस्वा शर्मा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लीडर का अपोजिशन राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा से माफी मांगे। प्रदर्शन कर रहे सुधांशु ने कहा कि हम एनएसयूआई के लोग पूरे देश में प्रदर्शन करेंगे इसका जमकर विरोध करेंगे। इस अपमानजनक भाषा को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा राहुल गांधी लीडर ऑफ अपोजिशन जैसे महत्वपूर्ण पद पर हैं। भारतीय जनता पार्टी में सीएम बनने की यही योग्यता है की बलात्कारी होना और बदतमीज होना उन्हें लोगों को वहां पद मिलता है। सुधांशु ने कहा कि भाजपा गली बाज और चरित्रहीन लोगों का अवसर देती है। यह देश की सबसे बड़ी बलात्कारी पार्टी है। हम लोग यहचीज बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अभी हमने हेमंत शर्मा की तस्वीर जलाई है। इनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करवाएंगे। हेमंत बिस्वा शर्मा को माफी मांगना पड़ेगा। हम पार्टी और अपनी नेता के साथ मजबूती से खड़े हैं। प्रदर्शन में शामिल एनएसयूआई सदस्य हर्षित ने कहा कि हमारा संगठन देश का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। हमारे पार्टी के मुखिया और सम्मानित नेताओं का अपमान भाजपा कर रही है। हम लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अनुयाई हैं ना डरने वाले हैं ना पीछे हटने वाले हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत शर्मा माफी मांग कर इस मुद्दे को यहीं खत्म कर दें।

नकली सोना देकर 5 लाख की ठगी, शिक्षक दंपति समेत 3 गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के माल थाना क्षेत्र में लोगों को सस्ते में सोना दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने में शिक्षक दंपति समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नकली सोने के बिस्किट, जेवरात, 8 मोबाइल, 16 सिम और घटना में इस्तेमाल अर्टिगा कार बरामद हुई है। 5 अप्रैल को कुशमौरा निवासी सुभाष मौर्य की स्कूटी से बैग पार कर करीब 5 लाख रुपए लेकर आरोपी फरार हो गए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। शुक्रवार तड़के काकराबाद अंडरपास पर घेराबंदी कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी पहले लोगों से दोस्ती कर भरोसा जीतते थे। इसके बाद सस्ते में सोना दिलाने का लालच देते थे। असली सोना दिखाकर सौदा तय करते और बाद में नकली सोने के बिस्किट व गहने थमा कर पैसे लेकर भाग जाते थे। पुलिस ने मो. अफसर (37) को गिरफ्तार किया है। अफसर बदायूं में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात है। वही पत्नी दानिशा फातिमा (36) लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित कालीचरन इंटर कॉलेज में टीचर है।

होटल ड्राइवर ने कस्टमर से की 75 लाख की लूट,मास्टरमाइंड समेत 5 गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के विभूतिखण्ड इलाके में 5 दिन पहले हुई 75 लाख रुपए की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। पूरी घटना का मास्टरमाइंड होटल का ड्राइवर ही निकला। पुलिस ने 5 शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 45 लाख रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो बरामद की है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 10/2026 — दिनांकः 07.04.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्याः 19265740	ई.एम.डी. (रू.): ₹3,72,100/-
मात्राः 508 सेट	निविदा खुलने की तिथिः 30.04.2026

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। ... I.T. Act 2000 ... CCA ... Class III Digital ... IREPS ... https://www.ncr.indianrailways.gov.in ... IREPS ... 775/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

दिनांक : 08.04.2026

ई-निविदा सूचना

निविदा सं0 : 230-...-1016-2026	अनुमानित लागत : रू0 1,04,23,859.95
कार्य का विवरण : ... (RUB), ... (KKS), ... (MWH), ... (KSQ) ... (KUW) ...	
बिड सुरक्षा राशि : रू0 2,08,500.00	कार्य अवधि : 18 महीना
बोली प्रणाली : एक पैकेट	निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 30.04.2026 14:00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 30.04.2026 15:00 बजे	

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ... 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. ... IREPS ... 3. ... IREPS ... 769/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @ CPRONCR

सम्पादकीय.....

भारत को विश्वगुरु बनाना ही आर.एस.एस. का उद्देश्य

'शाखा' जैसी अद्वितीय प्रणाली के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण का कार्य संघ करता है। इसी से लाखों स्वयंसेवक तैयार हुए हैं, जिनके जीवन के आदर्श व्यवहार से समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखता है। संघ की कार्यपद्धति अन्य संगठनों से भिन्न और विशिष्ट है। बाल स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक, सभी एक ही आदेश पर कार्य करते हैं। शाखा में होने वाले छोटे–छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से अनुशासन और संस्कार विकसित होते हैं। संघ के साथ ही समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वयंसेवकों ने 40 से अधिक संगठनों, जैसे ए.बी.वी.पी., लघु उद्योग भारती, सेवा भारती, विद्या भारती की स्थापना की, जो अपने–अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। ये सभी स्वतंत्र, स्वायत्त और स्वावलंबी संगठन हैं। भारत को पुनरू 'विश्वगुरु' के स्थान पर प्रतिष्ठित कर भारत माता को परम वैभव पर ले जाना ही इनका मुख्य उद्देश्य है। आर.एस.एस. के पहले चार प्रचारक रू 1925 में संगठन के रूप में आकार लेने पर आर.एस.एस. के आद्य सरसंघचालक डा. हेडगेवार के सामने चुनौती थी कि संघ के विचारों का देशभर में प्रचार–प्रसार कैसे किया जाए। उन्हें समघ्पत, पूर्णकालिक और संघ की भावना में दीक्षित कार्यकर्त्ताओं की तलाश थी। प्राचीन समय में जैसे ऋषि–महघ्ष परम्परा थी, जो जीवन प्रणाली का अध्ययन कर अलग–अलग समय पर मनुष्य जीवन में आने वाली समस्या का हल प्राणी मात्र को देते थे, उसी प्रकार प्रचारक भी राष्ट्र निर्माण के कार्य में उत्पन्न विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने में मार्गदर्शन करते हैं। इस परम्परा में पहले 4 प्रचारक थे बाबा साहब आप्टे, दादा राव परमार्थ, रामभाऊ जमगडे और गोपाल राव येरकुंटवार। 2 वर्ष तक प्रशिक्षण के बाद 1929 में डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने प्रचारक व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की शुरूआत की। 1930 में जब डा. हेडगेवार सविनय अवज्ञा आंदोलन के लिए जंगल सत्याग्रह में भाग लेने पहुंचे तो सरसंघचालक के पद से इस्तीफा दिया। डा. परांजपे को नया सरसंघचालक बनाया गया। डा. हेडगेवार को पता था कि उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है। 1931 में बाबा साहब आप्टे को डा. हेडगेवार ने जेल से बाहर आने के बाद पूर्णकालिक प्रचारक बनाने के लिए चुना। इस तरह इन चारों को संघ की पहली प्रचारक टोली के तौर पर जाना जाता है। इनमें बाबा साहब आप्टे को प्रथम प्रचारक माना जाता है। संघ के पहले पूर्णकालिक प्रचारकों की दीक्षा के लिए एक छोटा सा कार्यक्रम नागपुर में रखा गया, जहां प्रमुख स्वयंसेवक उपस्थित थे। उसी कार्यक्रम में डा. हेडगेवार का छोटा सा सम्बोधन हुआ, जिसमें संगठन का संकल्प और प्रचारकों का जीवन साधुओं की तरह होना चाहिए, इसी पर उनका जोर था। उसके बाद उनके केन्द्र बताए गए कि उनको प्रचार के लिए किस शहर या प्रांत में जाना है। उत्तर–पूर्व में 'संघ के बीज' बोने वाले पहले प्रचारक रू दादाराव परमार्थ यानी गोविंद सीताराम परमार्थ नागपुर के रहने वाले थे। 10वीं की परीक्षा की उत्तरपुस्तिका में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। अध्यापकों ने उन्हें फेल कर दिया, अतरू वह पढ़ाई छोड़कर डा. हेडगेवार के साथ जुड़े और स्वयंसेवक बन गए। 1930 के जंगल सत्याग्रह में डा. हेडगेवार के साथ गए और जेल भी गए। बीमार पड़े तो जेल में डा. हेडगेवार ने ही उनकी देखभाल की थी। उत्तर पूर्व में संघ का कार्य विस्तार करने वाले वह पहले प्रचारक थे। भविष्य के प्रचारकों को जोडने वाले गोपाल राव येरकुंटवार रू गोपाल राव येरकुंटवार ने उस दौर में जितने समघ्पत प्रचारकों को तैयार किया, शायद ही किसी ने किया होगा। उनमें से एक थे भास्कर राव कलाम्बी, जिन्हें वनवासी कल्याण आश्रम के काम को शुरू करने का श्रेय जाता है। पंजाब में शुरुआत में संघ पताका फहराने वाल मोरेश्वर राघव या मोरूभाई मुंजे को भी गोपाल राव लेकर आए थे। इन सभी प्रचारकों के नाम संघ के इतिहास में कई तरह की उपलब्धियां दर्ज हैं। केशव आप्टे ने तो 33 श्लोक का एक 'भारतभक्ति श्रोत' रच डाला था। उनका दशकों तक भारत के इतिहास के पुनर्लेखन पर काम चलता रहा। आप्टे ने कभी अपने हाथ से लिखकर 'दासबोध' और टाइप करके वीर सावरकर की किताब '1857 स्वातंत्र्य समर' अनेक नवयुवकों को उपलब्ध करवाई थी। आर.एस.एस. के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत जी के शब्दों में, ''हम लोग, अपनी दृष्टि से विचार करके जो अच्छा लगता है, वह बोल सकते हैं। जो खराब लगता है, वह भी बोल सकते हैं। लेकिन बोलने के पीछे कोई विरोध की भावना नहीं है। संघ न किसी विरोध में चलता है और न किसी बैर भाव से। 'न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर।' और दोस्ती कहें तो सब अपने हैं। सबके प्रति प्रेम है। उस प्रेम के आधार पर और स्वयंसेवकों की निष्ठा, तपस्या के आधार पर हम यहां तक पहुंचे हैं।

ईरान का अद्भुत जज्बा दुनिया के लिए मिसाल

सर्वमित्रा सुरजन

टाइटैनिक फिल्म का एक अद्भुत दृश्य है, जब जहाज टुकड़े–टुकड़े होकर डूबता है, अमीरों में आपाधापी मची रहती है कि बचाने वाली नावों पर वे किसी भी तरह सवार हो जाएं, नीचे गरीबों के निकलने के रास्ते पर दरवाजा बंद करके ताला लगा दिया जाता है, क्योंकि उनकी जान की कीमत नहीं समझी जाती, पूरे जहाज में चीख–पुकार मची रहती है और इस बीच संगीतकारों के दल के सदस्य अपने वाद्य लेकर जाते–जाते ठहरते हैं और एक आखिरी बार अपने संगीत की प्रस्तुति देते हैं। मौत के बीच वे जिंदगी, जिंदादिली और जिजीविषा की अद्भुत संगीत रचना पेश करते हैं। बीते दिनों ईरान के सुप्रसिद्ध संगीतकार अली गमसारी जब इसी तरह तेहरान में दमावंद बिजली संयंत्र के सामने पहुंचे और उन्हें देखकर कई और कलाकार भी इसी तरह अपने वाद्ययंत्रों के साथ प्रस्तुति देने बाहर आए, तो टाइटैनिक के उस दृश्य की ही याद आ गई। गमसारी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर देखे जा सकते हैं, उन्होंने तेहरान के दमावंद बिजली संयंत्र में अपने वाद्य यंत्रों के साथ पहुंचकर बम के धमाके के जवाब के लिए संगीत के सुरों को चुना। बिजली संयंत्र के सामने दरी बिछाकर अपने वाद्य तार के साथ गमसारी बैठे और दो दिनों तक बजाते रहे। उनके इस फैसले के पीछे डोनाल्ड ट्रंप की वह धमकी थी, जिसमें वे ईरान की पूरी सभ्यता को खत्म करने का ऐलान कर रहे थे। गौरतलब है कि 28 फरवरी के बाद ट्रंप ने कई बार ईरान को कई तरह की धमकियां दीं, लेकिन बीते दिनों उनकी दो धमकियां चर्चा में रहीं। पहले तो उन्होंने ईरान की सैन्य ताकत खत्म करने के दावे के साथ ईरान को पाषाण युग में वापस भेजने की धमकी दी, इसके बाद एक और धमकी देकर मंगलवार रात आठ बजे तक का वक्त दिया कि इसके बाद वे ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों और सड़कों पर ऐसे हमले करेंगे जिससे एक पूरी सभ्यता नष्ट हो जाएगी। ईरान को धमकाने के लिए ट्रंप ने अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया, जिसने उनका असली चेहरा दुनिया के सामने खोल कर रख दिया। हालांकि जो लोग ईरान को एक पिछड़ा, अशिक्षित, दकियानूसी, कट्टरपंथी, धर्मान्ध देश मानने की भूल करते थे, क्योंकि अमेरिका ने उनके सामने ईरान की ऐसी ही तस्वीर पेश की थी। उन्हें भी नजर आ गया कि असल में ईरान क्या है। अली गमसारी जैसे सैकड़ों–हजारों–लाखों–करोड़ों लोगों ने दुनिया को ईरान के एक ऐसे जुझारू पक्ष को दिखा दिया, जो आज के वक्त में दुर्लभ गुण हो चुका है। प्रसंगवश बता दूं कि युद्ध में अपने देश की सेवा के लिए दुनिया भर से ईरानी जनता वतन वापस लौट गई। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, चीन जैसे तमाम विकसित देशों में आराम का जीवन बिताने का मौका इन अप्रवासी ईरानियों के पास था, लेकिन अपनी सुरक्षा और आराम से पहले इनके लिए देश की रक्षा है, जिसकी खातिर वे लौट आए। जबकि अमूमन यही होता है कि जब किसी देश पर हमला हो या किसी किस्म का संकट आए, तो बाहर बैठे उसके नागरिक खैर मनाते हैं कि अच्छा है हम वहां नहीं हैं। भारत के भी लाखों लोग विदेशों में बसे हैं, जिनके लिए देशप्रेम का मतलब विदेशी धरती पर अपने त्योहार मनाना, अपने सनातनी संस्कारों को पेश करना ही है। भारत वापस आकर ये कभी यहां के प्रदूषण पर नाक–भौं सिकोड़ेंगे, तो कभी यातायात व्यवस्था की हंसी उड़ाएंगे या फिर विदेश में बैठकर देश के लोगों को देशभक्ति का ज्ञान देंगे। ऐसे में ईरान के लोगों का जज़्बा किसी अजूबे से कम नहीं है। बहरहाल बात ईरान के लोगों की हिम्मत और अनूठी रचनात्मकता की हो रही है। संगीतकार अली गमसारी ने दमावंद बिजली संयंत्र के सामने बैठकर संगीत के तार छेड़े, ताकि ईरान की अधोसंरचना पर होने वाले हमलों को रोकने में मदद मिल सके। वहीं ईरान के प्रसिद्ध गायक अली जंदवाकिली ने बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए रेलवे लाइन के किनारे गीत गाए। इधर ईरान के शरीफ विश्वविद्यालय को अमेरिका ने मिसाइल से तबाह किया तो अगले ही दिन गणित के एक प्रोफेसर ने राख और मलबे के बीच बैठकर ही ऑनलाइन क्लास ली, जबकि एक और प्रोफेसर डॉ. मसूद शादनाम ने कहा कि ये हमले ईरान में वैज्ञानिक प्रगति को प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि इमारतें दोबारा बनाई जा सकती हैं, लेकिन बुद्धि को निशाने पर नहीं लिया जा सकता और विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिभाशाली लोग यहीं रहते हैं। अमेरिका की ईरान को पूरी तरह तबाह करने की धमकी के बीच युवा और खेल मामलों के उपमंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक चौनल पर आकर अपने देशवासियों से अपील की कि हम मानवश्रृंखला बनाकर इन धमकियों का जवाब दें, उन्होंने कहा कि, बिजली संयंत्र जो हमारी राष्ट्रीय संपत्ति और पूंजी हैं, चाहे किसी भी पसंद या राजनीतिक नजरिए से देखें, वे ईरान और ईरानी युवाओं के भविष्य के हैं। हम सब हाथों में हाथ डालकर यह कहेंगे कि सार्वजनिक ढांचे पर हमला करना युद्ध अपराध है। मंत्री की इस अपील पर देश के युवा, छात्र, खिलाड़ी, कलाकार, शिक्षक सब हाथों में हाथ डालकर मानवश्रृंखला बनाकर खड़े हो गए। हम होंगे कामयाब की पंक्तियां याद आ गईं– हम चलेंगे साथ–साथ, डाल हाथों में हाथ, हम चलेंगे साथ–साथ एक दिन, मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक दिन। ईरान वाकई ऐसे ही कामयाबी की राह पर आगे बढ़ा। तभी तो ट्रंप को सभ्यता खत्म करने की धमकी के बाद यह कहने पर मजबूर होना पड़ा कि हम दो हफ्ते के युद्धविराम के लिए तैयार हैं, हम आगे चर्चा के लिए तैयार हैं, हम ईरान में पुनर्निर्माण के लिए मुआवजा देंगे। दरअसल ईरान को यह कामयाबी, यह नायकत्व अपने नेतृत्व और जनता की अटूट देशभक्ति के जज्बे से हासिल हुआ है। मंगलवार को जब सब कुछ खत्म करने की चेतावनी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी, तो उसके जवाब में उनके समकक्ष ईरान के राष्ट्रपति डॉ.मसूद पेजेशिकयान ने कहा था कि 1.4 करोड़ से अधिक ईरानी लोगों ने देश रक्षा में शहादत के लिए तैयार रहने का इरादा जताया है। मैं भी ईरान के लिए अपनी जान देने के लिए पहले भी तैयार था, अब भी हूं और आगे भी रहूंगा। अब दुनिया देख रही है कि जिस देश का राष्ट्रपति खुद कहे कि मैं शहीद होने के लिए तैयार हूं और जिस देश के सर्वोच्च नेता ने पहले अपनी शहादत दे दी, क्या उस ईरान को अमेरिका और इजरायल कभी हरा पाएंगे। याद रहे कि दिवंगत अयातुल्लाह अली खामेनेई के पास मौका था कि वे युद्ध शुरु होते ही किसी बंकर में जाकर रहते ताकि उनकी जान बचे और वे अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। उनके सलाहकारों ने उनसे यही गुजारिश भी की थी। खामेनेई के करीबी रहे अब्दुल माजिद हकीम इलाही ने बताया था कि खामेनेई ने अपने सुरक्षा अधिकारियों से कहा कि अगर वे ईरान के 9 करोड़ लोगों के लिए सुरक्षित शेल्टर का इंतजाम कर सकते हैं, तभी वे अपना घर छोड़कर कहीं और जाएंगे। उनके साथ उनके परिवार वालों ने भी किसी खास सुरक्षा प्रावधान से इंकार कर दिया और 28 फरवरी को अमेरिका–इजरायल के हमले में इन सभी ने अपनी शहादत दी। खामेनेई का कहना था कि एक नेता को हमेशा अपनी जनता और गरीबों के बराबर ही रहना चाहिए। अगर कोई नेता अपने लिए अलग और खास जीवन जीने लगे, तो वह देश का नेतृत्व करने के लायक नहीं रहता। अयातुल्लाह अली खामेनेई के बाद सुरक्षा परिषद के प्रमुख अली लारीजानी भी इसी तरह हमले में मारे गए। और जब तक वे जिंदा थे, उन्हें कई बार ईरान की सड़कों पर आम जनता के साथ, आम जनता के बीच देखे गये। अब राष्ट्रपति डॉ.पेजेशिकयान ने भी शहादत का यही जज्बा दिखाया है। डोनाल्ड ट्रंप से पूछा जाना चाहिए कि क्या असभ्य, खतरनाक और आतंक फैलाने वाले लोग ऐसे होते हैं, क्योंकि ईरान को वे दुनिया की सबसे खतरनाक कौम कहते हैं। ईरान ने साहस और देशभक्ति की नयी मिसाल ही नहीं पेश की, बल्कि इंसानियत और भाईचारा भी दिखाया है। ईरान के दुनिया भर में बने दूतावासों से रोजाना ही ट्रंप और इस युद्ध को लेकर पोस्ट हो रहे हैं, जिनमें कभी तंज होते हैं, कभी मार्मिक संदेश होते हैं। किसी पोस्ट में मीनाब शहर की मृत बच्चियों के साथ जेफ्री एपस्टीन के द्वीपों में यौनशोषण का शिकार बच्चियों को ईरान एक साथ रखकर ट्रंप और नेतन्याहू को उनका दोषी करार दे रहा है,

तनावपूर्ण चुनाव अभियान में पराजित होती दिख रही भाजपा

कल्याणी शंकर

नवीनतम जनमत सर्वेक्षण अनुमानों के अनुसार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ऐतिहासिक चौथा कार्यकाल मिलने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है और ममता की स्थिति को चुनौती देने के लिए काफी महत्वाकांक्षी है। इस बीच, कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों ने अपना प्रभाव खो दिया है। ममता के लिए मुख्य संदेश यह है कि भाजपा का उदय इन पारंपरिक पार्टियों की कीमत पर हुआ है। बंगाल में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है, जिससे यह चुनाव राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। यह राज्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राजनीतिक परिदृश्य को बढ़ावा देता है। टीएमसी को स्पष्ट लाभ है। पार्टी के लिए 119 सीटों को बहुत मजबूत और अतिरिक्त 95 को मजबूत के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में ममता बनर्जी का मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी और भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी से है। भाजपा ने सुवेंदु को मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर पेश किया है। भाजपा ने अपना अभियान ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासन की आलोचना पर केंद्रित किया है। पिछले हफ्ते, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ एक आरोपपत्र जारी किया था, जिसमें बनर्जी के नेतृत्व की आलोचना करते हुए उन्हें श्ममताजीश या श्दीदीश कहकर संबोधित किया गया था। 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें हासिल कर अहम जीत हासिल की थी। यह एक उल्लेखनीय राजनीतिक बदलाव को दर्शाता है। इसके विपरीत, भाजपा ने 77 सीटें जीतीं, जो राज्य में उसके बढ़ते प्रभाव को उजागर करती हैं। 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद से पिछले पांच वर्षों में, दलबदल और 12 सदस्यों की चुनावी हार के कारण भाजपा की ताकत घटकर 65 हो गई है। धार्मिक और जातिगत आधार पर मतदान के रूझानों से पता चलता है कि कैसे विभिन्न समुदाय टीएमसी और भाजपा का समर्थन करते हैं, जिससे चुनाव के नतीजे के लिए हर वोट महत्वपूर्ण हो जाता है। उत्तर बंगाल के आठ जिलों में भाजपा मजबूत है, जबकि दक्षिण बंगाल के जिलों में टीएमसी का पूरा वर्चस्व है। भाजपा हिंदू वोटों पर निर्भर है जबकि टीएमसी मुस्लिमों, महिलाओं और असंगठित वोटों पर निर्भर है। ममता बनर्जी ने मतदाताओं से उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार के रूप में देखने का आह्वान किया है, न कि केवल व्यक्तिगत टीएमसी उम्मीदवारों के लिए। उन्होंने भाजपा पर बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को अवैध रूप से पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में जोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वे बिहार के समान तरीकों का उपयोग करके इन मतदाताओं को ट्रेन से ले आने की योजना बना रहे हैं। पश्चिम बंगाल में लगभग 125 निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य रूप से मुस्लिम आबादी है, जिनमें से टीएमसी ने पिछले चुनाव में 100 से अधिक सीटें जीतीं, जिससे उन्हें मजबूत लाभ मिला है। 2021 के चुनावों के विपरीत,भाजपा अब अपने अभियान में धार्मिक विषयों पर कम ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा का लक्ष्य 2021 के विपरीत, आगामी चुनावों में धार्मिक विभाजन से बचना है। कुल 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता मुस्लिम होने के कारण, पिछले विभाजनों ने उनके समर्थन को नुकसान पहुंचाया है। अपने दृष्टिकोण को नरम करने के लिए, वे अब श्बाहरीश शब्द का उपयोग करते हैं। यह अंदरूनी–बनाम–बाहरी विषय ममता को फायदा देता है। एक शक्तिशाली राजनीतिक नेता, ममता सन् 2011 में कम्युनिस्ट नेतृत्व वाली सरकार को हटाकर सत्ता में आईं, जिसने 34 वर्षों तक पश्चिम बंगाल पर शासन किया था और तब से उन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। टीएमसी बहुत संरचित नहीं है और इसमें सख्त नियमों का अभाव है। इसमें विश्वासों के एक मजबूत समूह का भी अभाव है। भारत में कई क्षेत्रीय दलों की तरह, यह ममता बनर्जी के मजबूत नेतृत्व पर निर्भर करता है, जिन्हें उनके समर्थक प्यार से दीदी और बंगाल टाइग्रेस के नाम से जानते हैं। यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत होती है तो उससे पार्टी को महत्वपूर्ण बढ़त मिलेगी, खासकर तब जब नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लोकप्रिय नेता होने के बावजूद राज्य चुनावों में संघर्ष कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर मुस्लिम मतदाताओं वाले राज्य में जीतना एक मजबूत प्रतीकात्मक महत्व होगा और 2024 के आम चुनावों में मोदी की संगठित पार्टी को चुनौती देने के लिए खंडित विपक्ष के लिए किसी भी शेष संभावना को कम कर देगा। ममता बनर्जी ने भाजपा एजेंटों पर बाहरी लोगों को शामिल करने के लिए फर्जी फॉर्म 6 आवेदनों के साथ पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में बाढ़ लाने का आरोप लगाया है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'जन्मकुंडली'

आज बाबूजी को गुजरे पन्द्रह दिन बीत चुके थे।

बाबूजी एक छोटे से सरकारी स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक थे। उनके बेटे मंगल तिवारी की शहर की जाने–माने ज्योतिर्विदों में गिनती थी।

अचानक मंगल तिवारी उठे बाबूजी के सामान में अपनी कुंडली ढूँढने लगे। यह वही कुंडली थी जिसे बाबूजी ने जीते जी कभी हाथ नहीं लगने दिया।

कुंडली देखते ही मंगल तिवारी के पसीने छूट गये.. यह क्या इस कुंडली में तो सारे ग्रह उल्टे उल्टे कमजोर पड़े हैं यह मेरी कुंडली कैसे हो सकती है।

बाबूजी तो कहते थे तुम्हारे ग्रह बड़े प्रबल हैं और यह कुंडली किसी को दिखाना नहीं है नहीं तो इनकी प्रबलता समाप्त हो जाएगी यह ग्रह तुम्हें बहुत ऊपर ले जाएंगे।

बाबूजी की इसी बात ने आज उसे शीर्ष पर स्थापित किया था।

आज उसे अपना ग्रह नक्षत्रों का ज्ञान बाबूजी के मनोविज्ञान के सामने बौना नजर आ रहा था।

–सीमा वर्णिका, कानपुर

न्यायपालिका में ए. आई. के उपयोग की संभावनाएं

अनिल कुमार शुक्ला

भारत के संदर्भ में अभी कई चुनौतियां विद्यमान हैं, जिनमें न्यायिक प्रक्रियाओं में औपचारिक ढांचे का अभाव, अत्यधिक निर्भरता का जोखिम और ए.आई.के प्रशिक्षण की कमी प्रमुख हैं। यदि सावधानीपूर्वक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग न्यायालयीन कार्यों में किया जाए, विशेषकर उन मामलों में जो डाटा आधारित हैं, जैसे संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स से संबंधित प्रकरण सर्वप्रथम मैं ख्याति प्राप्त कवि एवं चिंतक डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन की पंक्तियों से अपनी बात प्रारंभ करना चाहूंगा, क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं, संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही, वरदान मांगूंगा नहीं। विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए. आई.)अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उसके न्यायपालिका में उपयोग से संबंधित है, जो जितना आधुनिक है उतना ही महत्वपूर्ण भी है। इसलिए इसके मूल स्वरूप को संक्षेप में समझना आवश्यक है, ताकि आगे हम न्यायपालिका में इसके प्रयोग को बेहतर ढंग से समझ सकें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए. आई.)का विकास अनेक वैज्ञानिकों के योगदान से हुआ। समय के साथ यह तकनीक मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग के रूप में विकसित होकर ऐसी स्थिति में पहुंच गई है,जहां यह डाटा, एल्गोरिदम और कंप्यूटिंग शक्ति के आधार पर स्वयं सीखकर निर्णय लेने में सक्षम हो गई है। सरल शब्दों में कहें तो ए.आई. मनुष्य के व्यवहार को समझकर कार्य करने वाली एक बुद्धिमान प्रणाली है, जो जटिल समस्याओं का समाधान तेजी और सटीकता के साथ कर सकती है। ढझआज चिकित्सा के क्षेत्र में इसके माध्यम से रोगों की पहचान अधिक सटीक हो रही है और भविष्य में संभावित बीमारियों का अनुमान भी लगाया जा रहा है, वहीं मौसम विज्ञान में यह पूर्वानुमान देने में सक्षम है कि कब और कितनी वर्षा होगी, जिससे किसान अपनी फसलों की योजना पहले से बना लेते हैं और आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन के माध्यम से कृषि कार्य अधिक प्रभावी हो गए हैं। इसी प्रकार कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स के माध्यम से उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ी है और एक जैसे कार्य कम समय में अधिक दक्षता से संपन्न हो रहे हैं, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भी ए.आई. ने जानकारी को त्वरित और संक्षिप्त रूप में उपलब्ध कराकर कार्यों को सरल बना दिया है। वित्तीय क्षेत्र में यह धोखाधड़ी की पहचान करने और बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने में सहायक है, वहीं अंतरिक्ष विज्ञान और रक्षा क्षेत्र में भी इसकी भूमिका निरंतर बढ़ रही है, जिससे स्पष्ट है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध हो रहा है, और इसी व्यापक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए अब यह आवश्यक हो जाता है कि हम न्यायपालिका जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इसके संभावित उपयोग पर विचार करें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसकी सेल्फ लर्निंग क्षमता है, किंतु इसके लिए सही और प्रमाणिक डाटा अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण डाटा से प्राप्त परिणाम भी गलत हो सकते हैं। इसके साथ ही इसके उपयोग से समय की बचत और कार्यों में सटीकता तो आती है, परंतु डाटा की गोपनीयता, रोजगार पर प्रभाव और साइबर अपराध जैसी चुनौतियां भी सामने आती हैं। जैसे फर्जी प्रोफाइल बनाना, छवि का दुरुपयोग करना या भ्रामक जानकारी फैलाना। इसके अतिरिक्त यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि यदि ए.आई.के माध्यम से किसी व्यक्ति के बारे में आपत्तिजनक सामग्री प्रस्तुत होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? यह भविष्य का एक गंभीर विधिक प्रश्न है। इसलिए यह आवश्यक है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पूरी सावधानी और नैतिकता के साथ किया जाए, क्योंकि यह मानव जीवन को सरल बनाने का एक प्रभावी साधन तो है, किंतु मानव की भावनाओं और नैतिक मूल्यों का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकता। इन्हीं आधारों को ध्यान में रखते हुए हम न्यायपालिका में इसके उपयोग की संभावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे। सर्वप्रथम कानूनी शोध के क्षेत्र में यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है, जहां न्यायाधीश, अधिवक्ता और शोधार्थी इसके माध्यम से त्वरित रूप से आवश्यक सामग्री प्राप्त कर रहे हैं। पहले जहां किसी केस में लॉ (कानून)को खोजने के लिए अनेक पुस्तकों का अध्ययन करना पड़ता था, वहीं अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से वह कार्य तुरंत संभव हो गया है। इसके अतिरिक्त केस मैनेजमेंट और न्यायालयीन प्रक्रिया के प्रबंधन में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। न्यायालयों में अनुवाद और लिप्यांतरण के कार्य में भी ए.आई.सहायक बन रहा है। उच्चतम न्यायालय में इस प्रकार के प्रयोग प्रारंभ हो चुके हैं, जहां विभिन्न भाषाओं में दिए गए निर्णयों और दस्तावेजों का त्वरित अनुवाद संभव हो रहा है, जिससे कार्य की दक्षता बढ़ती है, सटीकता में सुधार होता है और त्रुटियों की पहचान करना भी सरल हो जाता है। साथ ही मैनुअल कार्य में कमी आने से समय और खर्च दोनों की बचत होती है। किन्तु इसके साथ यह संभावना भी बनी रहती है कि यदि डाटा त्रुटिपूर्ण है तो उसके आधार पर अनुचित परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अतिरिक्त ए.आई. आधारित निर्णयों में पारदर्शिता और स्पष्टीकरण का अभाव भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, तथा अत्यधिक निर्भरता से मानवीय संवेदनाओं और न्यायाधीश के अनुभव पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया में केवल साक्ष्य ही नहीं बल्कि गवाह की भाव–भंगिमा, व्यवहार और आचरण भी कई बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यदि समस्त सूचनाएं डाटा के रूप में संरक्षित होती हैं तो गोपनीयता का जोखिम भी बना रहता है। अतरू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के लिए आवश्यक सावधानियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके लिए ए.आई.गवर्नेंस फ्रेमवर्क विकसित किया जाना चाहिए तथा न्यायालयों में इसके उपयोग के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश निर्धारित होने चाहिए। निष्पक्षता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र ऑडिट की व्यवस्था आवश्यक है और गोपनीयता की सुरक्षा को भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, साथ ही कानूनी शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। भारत के संदर्भ में अभी कई चुनौतियां विद्यमान हैं, जिनमें न्यायिक प्रक्रियाओं में औपचारिक ढांचे का अभाव, अत्यधिक निर्भरता का जोखिम और ए.आई.के प्रशिक्षण की कमी प्रमुख हैं। यदि सावधानीपूर्वक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग न्यायालयीन कार्यों में किया जाए, विशेषकर उन मामलों में जो डाटा आधारित हैं, जैसे संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स से संबंधित प्रकरण, तो इनका त्वरित निपटारा संभव हो सकता है, जिससे न्यायालय का समय बचेगा और जटिल तथा गंभीर मामलों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा, क्योंकि वर्तमान में निचली अदालतों से लेकर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक सभी स्तरों पर लंबित प्रकरणों का दबाव बना हुआ है। न्यायाधीशों की संख्या की अपेक्षा उनके समक्ष लंबित मामलों की संख्या अत्यधिक है।

समंदर के बीच बास लेडी बनीं परिणीति चोपड़ा, क्रूज पर किया नए शो का धमाकेदार लॉन्च

बॉलीवुड की चुलबुली और टैलेंटेड एक्ट्रेस Parineeti Chopra इन दिनों अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। परिणीति ने अपनी इन तस्वीरों के साथ एक बेहद प्यारा कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, अपने शो को लॉन्च करने के लिए इससे बेहतर लोकेशन नहीं चुन सकती थी। जीवन भर के लिए वॉटर बेबी ! आने के लिए आप सभी का शुक्रिया ! उनके इस कैप्शन से साफ है कि वह अपने किसी नए प्रोजेक्ट या शो की शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसके लिए उन्होंने समंदर की लहरों के बीच एक आलीशान क्रूज को चुना। तस्वीरों में परिणीति चोपड़ा का लुक किसी ब्लैक स्वान से कम नहीं लग रहा है। उन्होंने एक बेहद खूबसूरत ऑल–ब्लैक को–ऑर्ड सेट पहना है, जिसमें एक लॉन्ग स्लीव टॉप और एक वॉल्यूमिनस ट्यूल स्कर्ट शामिल है। उनके आउटफिट की सबसे खास बात उनकी कमर पर बना एक बड़ा सा ब्लैक रोज (गुलाब) है, जो उनके लुक में एक ड्रामेटिक और हाई–फैशन टच जोड़ रहा है। परिणीति ने अपने इस भारी–भरकम आउटफिट के साथ मेकअप को काफी सटल रखा है। विंग्ड आईलाइनर, न्यूड लिपस्टिक और खुले बालों के साथ उन्होंने अपने लुक को कम्पलीट किया है। उन्होंने कानों में छोटे डायमंड ईयररिंग्स और हाथों में एक आकर्षक रिंग पहनी है, जो उनके डार्क आउटफिट के साथ खूब जंच रही है। उनके पैरों में ब्लैक स्ट्रैपी हील्स उनके एलिगेंट लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

राघव चड्ढा के घर पहुंचे संजय दत्त, धुरंधर में एसपी असलम के किरदार की तारीफ कर सांसद बोले–हमेशा आपका प्रशंसक रहूँगा

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने हाल ही में अपने निवास पर बॉलीवुड के खलनायक संजय दत्त की मेजबानी की। इस मुलाकात के दौरान राघव ने संजय दत्त के व्यक्तित्व और उनकी हालिया ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर में उनके प्रदर्शन की जमकर सराहना की। राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर संजय दत्त की यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के पति राघव ने कैप्शन में लिखा, कुछ समय पहले अपने घर पर उन सबसे गर्मजोशी से भरे व्यक्तियों में से एक, संजय दत्त की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला जिन्हें मैं जानता हूँ। संजय दत्त की हालिया रिलीज फिल्म धुरंधर और इसके सीक्वल धुरंधर द रिवेंज की सफलता पर खुशी जताते हुए राघव ने कहा, फिल्म धुरंधर के लिए आपको मिल रहे प्यार को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। आपका औरा आज भी वही है और हर दौर में लोगों के मन में आपके लिए प्रशंसा बरकरार है। आप इस सफलता के हकदार हैं। मैं हमेशा आपके लिए प्रार्थना करता हूँ। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में संजय दत्त ने श्एसपी असलमश की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर. माधवन और सारा अर्जुन जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।

धुरंधर 2 के निर्देशक आदित्य धर की नेटवर्थ, आलीशान अपार्टमेंट से लेकर जानिए लग्जरी कारों का कलेक्शन

आदित्य धर बॉलीवुड के नए धुरंधर निर्देशक बन गए हैं। उनकी लगातार दो फिल्में धुरंधर और धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। धुरंधर द रिवेंज की कमाई अभी भी जारी है। आदित्य धर की पहली फिल्म उरी द सर्जिकल स्ट्राइक भी बहुत सफल रही थी। धीरे–धीरे उन्होंने करोड़ों रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लिया है। जानिए कितनी है आदित्य धर की नेटवर्थ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आदित्य और यामी की कुल संपत्ति 100 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जाती है। दोनों मुंबई के बांद्रा इलाके में एक लग्जरी अपार्टमेंट में रहते हैं। इस अपार्टमेंट को बहुत सुंदर ढंग से सजाया गया है। वे अपने बेटे वेदाविद के साथ रहते हैं, जिसका जन्म मई 2024 में हुआ था। आदित्य के पास चंडीगढ़ में एक डुप्लेक्स है, जिसे उन्होंने 2020 में करीब 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के गोहर में भी उनकी 25 एकड़ की एक पुरानी संपत्ति है, जहां उन्होंने 2021 में शादी की थी। आदित्य और यामी के पास कई महंगी कारें हैं। इनमें 2023 में खरीदी गई ठडॅ ग7 भी शामिल है, जिसकी कीमत 1 करोड़ रुपये से ज्यादा है। आदित्य धर दिल्ली में एक कश्मीरी पंडित परिवार में पैदा हुए हैं। उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि उनकी फिल्मों में साफ दिखती है। उन्होंने अपने भाई लोकेश धर के साथ बी 62 स्टूडियोज नाम का प्रोडक्शन हाउस बनाया है। पहली फिल्म उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, दूसरी फिल्म धुरंधर और तीसरी फिल्म धुरंधर द रिवेंज–ये तीनों फिल्में ब्लॉकबस्टर रही हैं। इन सफल फिल्मों के बाद आदित्य नई फिल्मों पर काम कर रहे हैं। धुरंधर 2 की आपार सफलता के बाद आदित्य अपनी नई फिल्मों पर काम कर रहे हैं। उनके तीन प्रोजेक्ट्स पर फैंस की निगाहें हैं– द इमॉर्टल अश्वत्थामा, चंद्रगुप्त मौर्य पर आधारित एक बड़ी ऐतिहासिक फिल्म और एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। बहरहाल, यह कहना मुश्किल है कि आदित्य पहले कौन सी फिल्म पर काम शुरू करेंगे, यह अभी तय नहीं हुआ है।

सलमान खान के साथ दी सुपरहिट, शादी के लिए बदला धर्म, अचानक छोड़ी फिल्म इंडस्ट्री, जानें आयशा टाकिया की कहानी

आयशा टाकिया ने 'टार्जनरू द वंडर कार' और 'वॉन्टेड' जैसी फिल्मों में काम कर खूब पॉपुलैरिटी हासिल की। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इसके बाद फिल्मों से दूरी बना ली। और हाल ही में एक्ट्रेस को जबरदस्त ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा था। आइए उनके 40वें जन्मदिन के दिन जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें। आयशा टाकिया ने केवल 13 साल की उम्र से एक्टिंग लाइन में कदम रख दिया था। उन्होंने इस बीच कई टीवी एड भी किए। शाहिद कपूर के साथ बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट कॉम्पलेन के एड की वजह से उन्हें काफी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 19 साल की उम्र में मॉडलिंग में कदम रखा, और कुछ समय तक मॉडलिंग की। इसके बाद उन्होंने फाल्गुनी पाठक के साथ 'मेरी चुनर उड़ उड़ जाए' गाने में एक्ट किया। यह गाना काफी पॉपुलर हुआ और आयशा को इसके लिए काफी तारीफें मिली। इसके अलावा भी एक्ट्रेस कई गानों, जैसे– 'शेक इट डैडी', 'नहीं–नहीं अभी नहीं' में नजर आईं। इन सब के बाद आयशा को बॉलीवुड में पहला ब्रेकथ्रू मिला 2004 में आई अब्बास–मस्तान की सुपरनैचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'टार्जनः द वंडर कार' से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई, लेकिन एक्टिंग और ग्लैमर के चलते आयशा को उस साल बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड और आईफा अवॉर्ड मिला। इसके 5 साल बाद 2009 में आई सलमान खान फिल्म 'वॉन्टेड' में वे लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आईं। फिल्म बड़े पर्दे पर सुपरहिट साबित हुई, और आयशा को खूब पहचान मिली। इन दो फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस 'दिल मांगे मोर', 'सोचा ना था', 'शादी नंबर 1' और 'डोर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। लेकिन इसके 2 साल बाद एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली। साल 2009 में आयशा ने फरहान आजमी से शादी की। फरहान राजनेता अबू आजमी के बेटे हैं। बता दें कि आयशा हिंदू थीं, लेकिन उन्होंने शादी के इस्लाम धर्म अपना लिया। इसके कुछ समय बाद उन्होंने फिल्म लाइन छोड़ दी। कपल का एक बेटा भी है, जिसका नाम मिकाइल है। आयशा अब सोशल मीडिया पर भी काफी कम एक्टिव रहती हैं। कुछ समय उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें उनमें काफी बदलाव नजर आए थे। बताया जाता है कि एक्ट्रेस ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। लेकिन जब तस्वीरों सामने आईं, तो वे पहले से काफी अलग नजर आईं। पहले के मुकाबले उनके चेहरे में काफी बदलाव नजर आए, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया। उनके होंठ और गालों में ज्यादा बदलाव देखकर लोगों ने कहा कि उनकी प्लास्टिक सर्जरी फेल हो गई। उन्हें इतना ट्रोल किया गया कि उन्होंने सोशल मीडिया से भी अब दूरी बना ली है। आयशा अब अपनी मैरिड लाइफ इंजॉए करती हैं, और पब्लिक में काफी कम नजर आती हैं।

कभी किया करते थे प्याज–रोटी से गुजारा, आज इंडस्ट्री के सबसे अमीर एक्टर्स में शामिल हैं रोनित रॉय

रोनित रॉय उन कलाकारों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने करियर में कई उतार–चढ़ाव देखे लेकिन कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत बड़े पर्दे से की, लेकिन शुरुआती असफलताओं ने उन्हें एक अलग राह चुनने पर मजबूर कर दिया। बाद में उन्होंने टीवी इंडस्ट्री का रुख किया और वहीं से असली पहचान हासिल की। रोनित रॉय ने साल 1992 में फिल्म जान तेरे नाम के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और इसके गाने भी काफी लोकप्रिय हुए। हालांकि, इस सफलता के बावजूद उनका करियर उस दिशा में आगे नहीं बढ़ पाया, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। हालात ऐसे भी आए जब उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए रोनित ने बताया कि वे बांद्रा स्टेशन के पास एक ढाबे पर खाना खाते थे। उस समय उनकी स्थिति इतनी कमजोर थी कि दिन में केवल एक बार ही भोजन कर पाते थे। कभी साधारण दाल–रोटी, तो कभी अच्छे दिनों में पालक पनीर उनका खाना होता था। उन्होंने एक दिल छू लेने वाला किस्सा भी साझा किया। एक दिन उनके पास दाल खरीदने तक के पैसे नहीं थे, इसलिए उन्होंने सिर्फ रोटी देने की बात कही। लेकिन ढाबे वाले ने उन्हें रोटी के साथ दाल भी परोस दी और मुस्कुराते हुए कहाकृ"आज तुम्हारे लिए दाल वाला दिन है।" यह घटना उनके संघर्ष के दिनों की गहराई को दिखाती है। समय के साथ बॉलीवुड में काम मिलना कम होता गया और एक दौर ऐसा भी आया जब फिल्ममेकर्स ने उन्हें कास्ट करना लगभग बंद कर दिया। ऐसे में उन्होंने टेलीविजन की ओर रुख किया। टीवी पर उन्होंने कमाल से शुरुआत की, लेकिन असली पहचान उन्हें कसौटी जिंदगी की में निभाए गए मिस्टर बजाज के किरदार से मिली। इस रोल ने उन्हें घर–घर में मशहूर बना दिया। आज रोनित रॉय न सिर्फ एक सफल अभिनेता हैं बल्कि एक कामयाब बिजनेसमैन भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति करीब 99 से 100 करोड़ रुपये के आसपास है। एक्टिंग के अलावा वे अपनी सिक्योरिटी एजेंसी भी चलाते हैं, जो कई बड़े सितारों को सेवाएं देती है।

वास्तु दोष दूर करेगा सूर्य यंत्र, बैसाखी पर घर की इस दिशा में लगाने से होगा फायदा

पंजाबियों का प्रसिद्ध त्योहार बैसाखी आने में कुछ ही दिन बचे हैं। इस बार बैसाखी 14 अप्रैल को मनाई जाएगी । इसी दिन से सौर वर्ष की भी शुरुआत होती है। बैसाखी वाले दिन ही सूर्य देव

मेष राशि में आते हैं इसके अलावा सूर्य की उच्च राशि मेष ही मानी जाती है। जब सूर्य देव इस राशि में आते हैं तो सौर वर्ष की शुरुआत होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बैसाखी पर वास्तु दोष दूर करने और घर की सुख–शांति बनाए रखने के लिए सूर्य यंत्र लगाना शुभ माना जाता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि सूर्य यंत्र किस दिशा में लगाना शुभ माना जाता है...

वास्तु दोष होगा दूर

वास्तु शास्त्र की मानें तो बैसाखी पर आप घर की उत्तर दिशा में सूर्य यंत्र लगा सकते हैं। इससे आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। इसके अलावा आप सूर्य यंत्र को धारण करके इसकी नियमित पूजा करें। नियमित पूजा ने शुभ फल भी मिलेगा और घर का वास्तु दोष भी दूर होगा।

लगाएं ऐसा सूर्य यंत्र

बैसाखी पर आप तांबे का सूर्य यंत्र घर में लगा सकते हैं। इस तरह का सूर्य यंत्र इस दौरान घर में लगाना शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी आएगी और घर का वास्तु दोष भी दूर होगा। इसके अलावा बैसाखी पर इसे घर में लगाने से सदस्यों की तरक्की होती है और व्यक्ति को शोहरत मिलती है।

कुंडली में मजबूत होगा सूर्य

घर में तांबे का सूर्य लगाने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है। व्यक्ति को मान–सम्मान मिलता है, परिवार के सदस्यों की तरक्की होती है। इसके अलावा कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए आप बैसाखी पर सूर्य यंत्र की पूजा करें। इससे सूर्य के साथ नौ ग्रहों का शुभ मिलेगा और वास्तु दोष भी दूर होगा।

इस दिशा में लगाएं तांबे का सूर्य

बैसाखी पर घर में आप सूर्य लगाने से व्यक्ति के जीवन की परेशानियां दूर होती हैं। आप इसे घर की उत्तर या फिर ईशान कोण में लगा सकते हैं। व्यापारिक स्थल पर पूर्व दिशा में सूर्य यंत्र लगाने से व्यापार में तरक्की मिलती है व्यक्ति की समाज में प्रतिष्ठा बढ़ती और घर के सदस्यों की भी प्रगति होने लगती है।

कार्य में आ रही बाधा होगी दूर

यदि आपका कोई कार्य पूरा नहीं हो रहा है या उसमें बाधा आ रही है तो आप बैसाखी वाले दिन सूर्य यंत्र स्थापित करें। इससे पूरे सौरवर्ष में आपको किसी भी चीज की कमी नहीं होगी। इसके अलावा कोर्ट कचहरी में यदि आपका कोई मामला चल रहा है तो बैसाखी वाले दिन सूर्य यंत्र स्थापित करें। यदि आप किसी तरह के रोग से परेशान हैं तो सूर्य यंत्र का पेंडेट धारण करें।

लड़कियों में दिखने लगे ये बदलाव, तो समझो जल्दी जवान हो रही है आपकी बेटी

लड़कियां पहले के मुकाबले अब जल्दी प्यूबर्टी (यौवन) तक पहुंच रही हैं। कुछ साल पहले फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनेकोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया (एफओजीएस) द्वारा किए गए एक सर्वे में पाया गया कि शहरी भारत में लड़कियों के यौन रूप से परिपक्व होने की उम्र कम हो गई है। इसमें पाया गया कि शहरों में 80प्रतिशत लड़कियां लगभग 11 साल की उम्र में ही प्यूबर्टी तक पहुंच रही हैं–जो पहले के मुकाबले दो साल कम है। इसके अलावा, कई स्टडीज में भारत में महिलाओं के मासिक धर्म शुरू होने की उम्र में भी तेजी से गिरावट देखी गई है।

हर तीन में से एक लड़की हो रही जल्दी जवान

यह आंकड़ा औसत उम्र में काफी कमी की ओर इशारा करता है, जो पहले 13.83 साल हुआ करती थी। आज, हर तीन में से एक लड़की जल्दी परिपक्व हो रही है। तय समय से पहले बड़ा होना माता–पिता और बच्चों के डॉक्टरों के लिए चिंता का विषय बन गया है। किशोरावस्था जीवन का वह चरण है जिसमें दोनों लिंगों के मनुष्यों में यौन हार्मोन का स्राव शुरू होता है, और यह शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों द्वारा पहचाना जाता है। जहां पुरुषों में यौन परिपक्वता 12 से 16 वर्ष की आयु के बीच आती है, वहीं लड़कियों में किशोरावस्था 10 से 12 वर्ष की आयु के बीच शुरू होती है। लड़कियों में किशोरावस्था का एक महत्वपूर्ण संकेत रजोदर्शन है।

लड़कियों में प्यूबर्टी के लक्षण

इस उम्र में बच्चों के लिए शारीरिक संतुष्टि, रूप–रंग और अपनी छवि एक बड़ी चिंता का विषय बन जाते हैं, और कई बच्चे कम आत्म–सम्मान की भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अपने हमउम्र साथियों के समूह में घुलने–मिलने की कोशिश करना समाज द्वारा स्वीकृत और लोकप्रिय वरिष्ठों तथा साथियों की आदतों और व्यवहार के तरीकों की नकल करना और जब उन्हें अपने भीतर बुनियादी अंतरों का एहसास होता है या वे अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने में असमर्थ रहते हैं, तो स्वयं को सबसे अलग–थलग कर लेना ये कुछ ऐसे सामान्य लक्षण हैं जिनसे होकर कई किशोर लड़कियां गुजरती हैं। लड़कियों में प्यूबर्टी, पीरियड्स और शरीर में बदलाव का एहसास ज़्यादा साफ दिखता है और महीने के बायोलॉजिकल कैलेंडर के हिसाब से ढलना, ऐंठन और दूसरी बातें भी बिहेवियरल पैटर्न पर असर डालती हैं। इससे मूड स्विंग्स बढ़ते हैं, एक्साइटमेंट, गुस्सा, एंग्जायटी और कभी–कभी डिप्रेशन होता है।

ये है अर्ली प्यूबर्टी का कारण

डॉक्टर बताते हैं– "प्यूबर्टी की शुरुआत काफी हद तक हाइपोथैलेमस, पिट्यूटरी और ओवेरियन एक्सिस में सिग्नल्स के कॉम्प्लेक्स फ्लो के जेनेटिक कंट्रोल से तय होती है जो सेक्सुअल बिहेवियर को मैनेज करते हैं। यह डेवलपमेंट कुछ हद तक गैर–जरूरी और एनवायरनमेंटल सिग्नल्स से प्रभावित होता है, जो असल में एडजस्ट करने वाला रोल निभाते हैं। बच्चा अपने साथी से लंबा दिख सकता है, लेकिन इसका एक नुकसान भी है। हड्डियां समय से पहले बढ़ना बंद कर सकती हैं, जिससे बड़े होने पर उसकी हाइट कम हो सकती है। जल्दी प्यूबर्टी किसी भी बच्चे पर बहुत ज़्यादा साइकोलॉजिकल और फिजिकल दबाव डाल सकती है। जिन लड़कियों में ज़्यादा इमोशनल झुकाव होता है, वे प्यूबर्टी से जुड़े सोशल स्टिग्मा के प्रति ज़्यादा कमजोर होती हैं। काउंसलिंग और अच्छी पेरेंटिंग इस समय इन 'युवा महिलाओं' की मदद कर सकती है। लाइफस्टाइल में बदलाव – जैसे एक्सरसाइज, आउटडोर एक्टिविटी और हेल्दी डाइट – भी लड़कियों के वजन पर कंट्रोल रख सकते हैं और इस तरह प्यूबर्टी में देरी कर सकते हैं।

सिर्फ ब्यूटी नहीं, भाग्य भी निखारे मुल्तानी मिट्टी, जानें कैसे

मुल्तानी मिट्टी को अक्सर लोग सिर्फ चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका संबंध आपकी ऊर्जा और भाग्य से भी जोड़ा जाता है? वास्तु और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मुल्तानी मिट्टी न केवल त्वचा को निखारती है बल्कि घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता बढ़ाने में भी मददगार मानी जाती है।

क्यों खास है मुल्तानी मिट्टी?

मुल्तानी मिट्टी को ज्योतिष शास्त्र में पृथ्वी तत्व का प्रतीक माना जाता है, जो स्थिरता, धैर्य और संतुलन का संकेत देता है। यह न सिर्फ घर के वातावरण को शांत और सकारात्मक बनाने में मददगार मानी जाती है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने में भी सहायक होती है। यही कारण है कि आज इसे केवल ब्यूटी प्रोडक्ट के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रभावी एनर्जी बैलेंसिंग टूल के रूप में भी देखा जाने लगा है। मुल्तानी मिट्टी के असरदार उपाय।

नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए

मुल्तानी मिट्टी का उपयोग नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए भी किया जाता है। अगर घर में बार–बार तनाव, आर्थिक परेशानी या कामों में रुकावट आ रही है, तो मुख्य दरवाजे पर पानी में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर छिड़काव करना लाभकारी माना जाता है। इससे घर का वातावरण शुद्ध होता है और नकारात्मक ऊर्जा कम होने में मदद मिलती है।

पौधों के साथ करें इस्तेमाल

वास्तु के अनुसार पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी को गमले की मिट्टी में थोड़ा सा मिलाने से पौधों की ग्रोथ बेहतर होती है और आसपास का वातावरण भी अधिक शुद्ध व सकारात्मक बना रहता है।

बेडरूम में रखें

आजकल तनाव और अनिद्रा की समस्या काफी आम हो गई है। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी को बेडरूम में रखने से मानसिक शांति मिलने और नींद में सुधार होने में मदद मिल सकती है, जिससे वातावरण अधिक सुकूनभरा महसूस होता है।

कार्यस्थल पर भी रखें

आजकल तनाव और अनिद्रा की समस्या काफी आम हो गई है। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी को बेडरूम में रखने से मानसिक शांति मिलने और नींद में सुधार होने में मदद मिल सकती है, जिससे वातावरण अधिक सुकूनभरा महसूस होता है।

ध्यान रखें ये जरूरी बातें

ये उपाय आस्था और मान्यताओं पर आधारित हैं

इसे किसी मेडिकल या वैज्ञानिक उपचार का विकल्प न समझें

स्वास्थ्य समस्या होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

मुल्तानी मिट्टी सिर्फ स्किन केयर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके घर और मन की ऊर्जा को संतुलित करने का एक सरल उपाय भी मानी जाती है। सही तरीके से इस्तेमाल करने पर यह आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

बच्चों को बनाना है केयरिंग तो पेरेंट्स बचपन से ही करें इन बातों पर गौर

छोटे बच्चे प्यार के भूखे होते हैं उन्हें जहां भी प्यार मिले वो वहां पर अपना दिल लगा लेते हैं। इसके अलावा बच्चे अपने माता–पिता के भी काफी क्लोज होते हैं। हर माता–पिता यही चाहते हैं कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा और अच्छे जीवन मिले। ऐसे में पेरेंट्स को बचपन से ही बच्चों को अच्छी आदतें सिखानी होगी। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे हर किसी की बड़े होकर केयर करें तो आप उन्हें बचपन से ही यह चीजें सिखाना शुरु कर दें। तो चलिए आपको बताते हैं ऐसी कौन सी आदतें हैं जो आपको बचपन से ही बच्चों को सिखानी चाहिए...

सिखाएं मदद करना

बच्चों के लिए सबसे पहले रोल मॉडल उसके पेरेंट्स ही होते हैं ऐसे में यदि आप उन्हें कोई भी चीज सिखाएंगे तो वह आसानी से सिख लेंगे। उन्हें सिखाएं कि घर के हर सदस्य का ख्याल रखें, अपने आस–पास के लोगों की मदद करें। जरुरतमंद व्यक्तियों की सहायता करें। किसी अंजान व्यक्ति की सहायता करें इससे बच्चे हर किसी का ख्याल रखना सिखेंगे और उनके मन में हर किसी के लिए एक अच्छी देखभाल का भाव भी उत्पन्न होगा।

खुद भी करें चीजों को फॉलो

बच्चों के सामने यदि आप भी किसी की मदद, जानवरों और पेड़–पौधों का सम्मान करते हैं तो इससे बच्चे भी अपने आस–पास की चीजों को लेकर रिस्पॉन्सिबल होंगे। इसके अलावा वह बिना हिचकिचाए हुए आसानी से सभी की मदद कर पाएंगे। आप चाहें तो उन्हें किसी संस्था से भी जोड़ सकते हैं। संस्था के साथ जुड़के नेक काम करके बच्चे नई–नई चीजों को एक्सपलोर कर पाएंगे।

छोटे–छोटे काम करने के लिए करें प्रेरित

इसके अलावा आप बच्चों को जैसे की घर में मौजूद सदस्य दादी–दादा की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी दे सकते हैं। इसके अलावा यदि उनका कोई छोटा भाई या बहन है तो उसे स्कूल साथ में ले जाने के लिए कहें । उन्हें इस बात का एहसास दिलवाएं कि घर के सदस्यों की अच्छे से केयर करें उनका फर्ज है। इससे वह अपना काम और भी अच्छे से कर पाएंगे। इसके अलावा यदि आपका बच्चा हर समय घर में अकेला रहता है तो आप उसे कोई पेट भी खरीद कर दे सकते हैं।

गलती करने पर माफी मांगना बताएं

बच्चों को यह भी जरुर सिखाएं कि यदि उनसे कोई गलती होती है तो वह इस पर माफी जरुर मांगे। कई बार पेरेंट्स बच्चों की गलतियां हंसी–हंसी में नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन इससे बच्चे आगे चलकर और भी बदतमीज बन सकते हैं। ऐसे में उन्हें यह आदत जरुर सिखाएं कि यदि उनसे गलती हुई है तो वो सामने वाले से माफी भी जरुर मांगें।

दूसरों के प्रति सहानुभूति

बच्चों को सिखाएं कि दूसरों के प्रति उसे सहानुभूति रखनी चाहिए। आप चाहें तो उनके सामने किसी दोस्त के ऊपर चर्चा कर सकते हैं। जैसे यदि उनका दोस्त हर समय उदास रहता है तो आप उससे पूछें कि उनका दोस्त किस बात पर नाराज है। इससे बच्चे दूसरे की परेशानियां समझना सिखेंगे और उनके प्रति सहानुभूति भी दिखाएंगे।

संक्षिप्त

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश आठ महीनों के उच्चतम स्तर पर, एसआईपी ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली,एजेंसी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में एक्टिव इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में शुद्ध निवेश बढ़कर 40,450.26 करोड़ रुपये हो गया। यह जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,977.81 करोड़ रुपये था। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश ने नया रिकॉर्ड बनाया है। मार्च में एसआईपी का योगदान 32,087 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है, जो खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी दर्शाता है। हालांकि, पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग से मार्च में 2.39 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। फरवरी में इसमें 94,530 करोड़ रुपये का निवेश आया था। इस निकासी का मुख्य कारण डेट फंड्स से भारी मात्रा में पैसे का निकलना रहा। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, निवेश में यह वृद्धि एसआईपी के जरिए लगातार निवेश से हुई है। साल के अंत में पोर्टफोलियो समायोजन भी एक वजह है। बाजार की गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देखा गया। पश्चिम एशिया में तनाव से आई अस्थिरता ने दीर्घकालिक निवेशकों को अच्छे प्रवेश बिंदु दिए। इक्विटी श्रेणी के सभी खंडों में निवेश में वृद्धि दर्ज की गई। फ्लेक्सी–कैप फंड्स सबसे आगे रहे, जिनमें मार्च में 10,054.12 करोड़ रुपये का निवेश आया। मिड–कैप में 6,063.53 करोड़ रुपये और स्मॉल–कैप में 6,263.56 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। लार्ज–कैप फंड्स में 2,997.84 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में 2,698.82 करोड़ रुपये का स्थिर निवेश देखा गया। इसके विपरीत, डेट म्यूचुअल फंड्स में मार्च में 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी की गई। फरवरी में इनमें 42,106.31 करोड़ रुपये का निवेश आया था। ओवरनाइट और लिक्विड फंड्स इस निकासी के मुख्य कारण रहे। हाइब्रिड स्कीम्स से 16,538.47 करोड़ रुपये और आर्बिट्रेज फंड्स से 21,113.70 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया। नए फंड ऑफर के जरिए मार्च में चौबीस लॉन्च से 3,985 करोड़ रुपये जुटाए गए।

पश्चिम एशिया संकट से उपजी आर्थिक अनिश्चितता, आठ फीसदी तक घट सकता है देश का वस्तु निर्यात

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट से उपजी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण मार्च के आंकड़ों में देश के वस्तु निर्यात में सात से आठ फीसदी की गिरावट आ सकती है। वहीं, 2025–26 में दो से तीन फीसदी की गिरावट की आशंका है। सरकार मार्च महीने के निर्यात के आंकड़े 15 अप्रैल को जारी करेगी। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, अमेरिका और इस्राइल के 28 फरवरी को ईरान पर किए गए संयुक्त हमले ने पश्चिम एशिया को होने वाले देश के निर्यात को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे माल भाड़ा, हवाई परिवहन लागत और बीमा लागत बढ़ गई है। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया के देशों से तेल एवं गैस की आवाजाही में रुकावट के कारण इस्पात, प्लास्टिक और रबड़ जैसे कच्चे माल की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। रल्हन ने कहा, वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर देखें तो भारत के कुल निर्यात में पांच से छह फीसदी की बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौजूदा संकट के बीच फियो अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि सरकार को उच्च ब्याज दर, एडवांस ऑथोराइजेशन यानी शुल्क छूट योजना के तहत भुगतान को सरल बनाने पर ध्यान देना चाहिए।ध्इसके अलावा, विदेश व्यापार महानिदेशालय और सीमा शुल्क के बीच नाम, वर्गीकरण एवं कोडिंग प्रणाली के मामले में सामंजस्य स्थापित करने जैसे मुद्दों पर भी फोकस करना चाहिए।

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया, खांडेकर की लेंगे जगह

नई दिल्ली,एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को तुषार खांडेकर की जगह टिम व्हाइट को जूनियर महिला हॉकी टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई–परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई–परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा। व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद मैं देश के समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं।

केकेआर के खिलाफ मुकुल चौधरी की बल्लेबाजी देखकर गदगद हुए गावस्कर, पूरन की फॉर्म पर जताई चिंता

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी की बल्लेबाजी देखकर अभिभूत हो गए हैं। मुकुल ने केकेआर के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 27 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 54 रन बनाए जिससे लखनऊ ने आखिरी गेंद पर तीन विकेट से जीत दर्ज की और केकेआर के मुंह से जीत छीन ली। मुकुल चौधरी की पारी ने क्रिकेट के दिग्गजों को उनका दिवाना बना दिया है। गावस्कर ने मुकुल चौधरी की विस्फोटक पारी पर आईपीएल के आधिकारिक प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स से कहा, इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने निडर होकर जबरदस्त पारी खेली। मुझे आईपीएल के बारे में जो बात पसंद है, वह यह है कि हर दिन हमें कुछ अलग देखने को मिलता है। हमने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के डेविड मिलर को एक शानदार पारी खेलते हुए देखा और अपनी टीम को लगभग जीत दिला ही दी थी, लेकिन वह पारी एक मशहूर विश्व कप स्टार ने खेली थी। यहां मुकुल चौधरी हैं, जिन्होंने आगे बढ़कर अपनी टीम को फिनिश लाइन पार करने में मदद की। यह एक युवा लड़का है जो घरेलू टी20 क्रिकेट में राजस्थान के लिए नंबर पांच पर बल्लेबाजी करता है। वह बस आईपीएल में आता है, एक जबरदस्त पारी खेलता है और हर कोई उसके बारे में बात करता है।

उन्होंने कहा, मुकुल ने जो आत्मविश्वास दिखाया और जिस तरह से उन्होंने अपने शॉट्स खेले, वह देखना वाकई कमाल का था। पारी के जिस स्टेज पर वह बल्लेबाजी करने आए, उन्होंने संयम दिखाया, अपना समय लिया, ठीक से सेट हुए और गेंदों को मैदान के बाहर मारना शुरू कर दिया। उन्होंने हेलीकॉप्टर शॉट भी खेला, जिसे देखकर एमएस धोनी की बहुत पुरानी यादें ताजा हो गईं। उन्होंने आसान सिंगल्स लेने से मना कर दिया क्योंकि उन्हें बड़े शॉट मारने और गेम खत्म करने की अपनी काबिलियत पर भरोसा था। गावस्कर ने कहा, केकेआर के खिलाफ यह जीत लखनऊ के लिए बहुत जरूरी थी। वे मुश्किल में थे, लेकिन अपने युवाओं की मदद से उन्होंने कमाल की जीत पक्की कर ली। मिचेल मार्श ने ज्यादा रन नहीं बनाए, एडेन मार्करम ने सिर्फ 22 रन बनाए और ऋषभ पंत और निकोलस पूरन भी ठीक से नहीं चल पाए। अपने मुख्य बल्लेबाजों के जूझने के बावजूद लखनऊ ने खुद को बचाया और जीत पक्की की। गावस्कर ने कहा, पिछले साल, वे पूरी तरह से अपने मुख्य खिलाड़ियों पर निर्भर थे। इस सीजन में वे उन पर निर्भर हुए बिना जीत रहे हैं। लखनऊ के लिए चिंता की बात निकोलस पूरन का खराब फॉर्म है। वह केकेआर के खिलाफ आउट ऑफ टच दिखे और लखनऊ ने उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजा, क्योंकि वे वहां आतिशी बल्लेबाजी चाहते थे। पूरन हर गेंद पर इस उम्मीद में अपना बल्ला घुमा रहे थे कि संपर्क हो जाए लेकिन ये वह पूरन नहीं हैं जिन्हें हम जानते हैं। लखनऊ को पूरन का भरोसा वापस पाने का कोई तरीका ढूंढना होगा।

केकेआर के खिलाफ ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन पर भड़के मोहम्मद कैफ, बोले- आप जिम्मेदारी नहीं ले सकते

कोलकाता,एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत की आलोचना करते हुए कहा कि इस विकेटकीपर–बल्लेबाज को अपनी खेल की समझ में सुधार करना होगा और लगातार अच्छे परिणाम के लिए अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। एलएसजी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मैच में तीन विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की थी। पंत इस मैच में केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी नहीं चल पाए थे। मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की मदद से एलएसजी ने यह मैच जीता था। पंत के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है और कैफ ने इसी संदर्भ में उनकी आलोचना की। कैफ ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, श्टीम को जरूरत थी कि वह अंत तक क्रीज पर टिके रहें। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, जो 2016 से आईपीएल में खेल रहे हैं। जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति मुश्किल नहीं थी। एलएसजी ने पहले पांच ओवरों में ही 41 रन बना लिए थे। किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका पंत को निभानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच जिताने में मदद नहीं कर सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच की स्थिति को बेहतर ढंग से समझना होगा और यह सीखना होगा कि कब अपनी रणनीति बदलनी है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक टिका रहे और पंत को इसी पर काम करना होगा। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि एलएसजी इस सत्र में अपने प्रमुख खिलाड़ियों के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद जीत रही है जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह पूरी तरह से उन पर निर्भर नहीं है। गावस्कर ने कहा, वे (एलएसजी) मुश्किल स्थिति में थे, लेकिन अपने युवा खिलाड़ियों की मदद से जीत हासिल करने में कामयाब रहे। मिचेल मार्श ज्यादा रन नहीं बना पाए, एडन मारक्रम ने सिर्फ 22 रन बनाए। पंत और पूरन भी लय में नहीं आ सके। उन्होंने कहा, अपने मुख्य बल्लेबाजों के संघर्ष के बावजूद एलएसजी ने खुद को संभाला और जीत हासिल की। पिछले साल वे पूरी तरह से अपने इन मुख्य खिलाड़ियों पर निर्भर थे। इस सत्र में वे इन खिलाड़ियों पर निर्भर हुए बिना भी जीत हासिल कर रहे हैं। गावस्कर ने कहा, श्एलएसजी के लिए चिंता का विषय निकोलस पूरन की खराब फॉर्म है। केकेआर के खिलाफ वह लय में नहीं दिखे। एलएसजी को पूरन का आत्मविश्वास वापस दिलाने का कोई तरीका ढूंढना होगा। उन्होंने युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की भी प्रशंसा की। गावस्कर ने कहा, मुकुल चौधरी बेखौफ होकर बल्लेबाजी करता है। उसने अविश्वसनीय पारी खेली। मुझे आईपीएल में यही बात सबसे अच्छी लगती है कि हर दिन हमें कुछ नया देखने को मिलता है। उसने जो आत्मविश्वास दिखाया और जिस तरह से अपने शॉट खेले, वह देखना वाकई अद्भुत था।

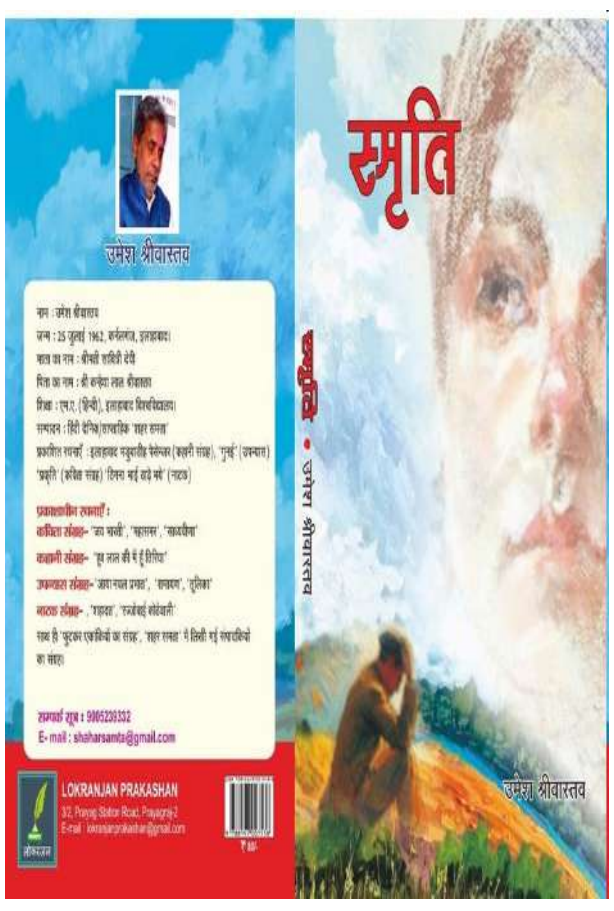

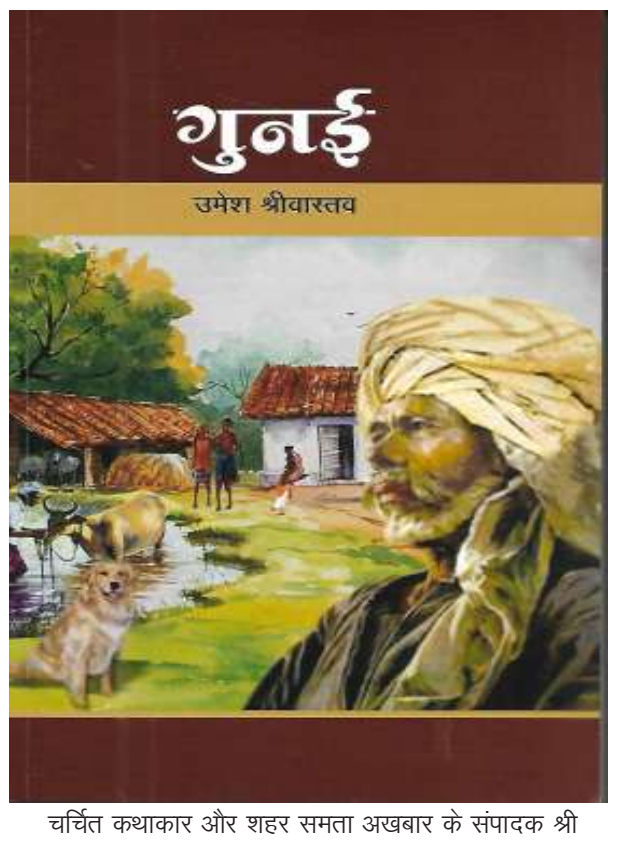

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

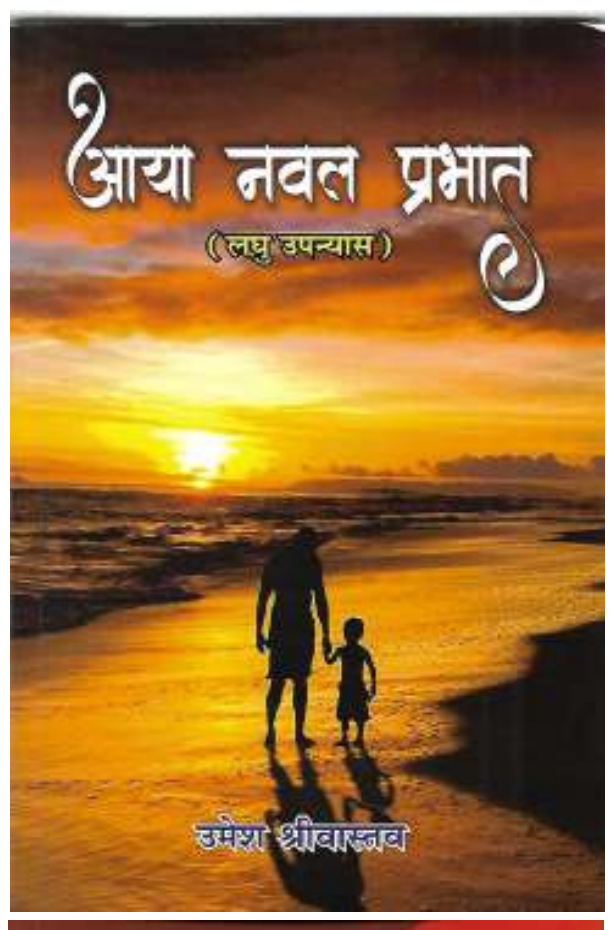

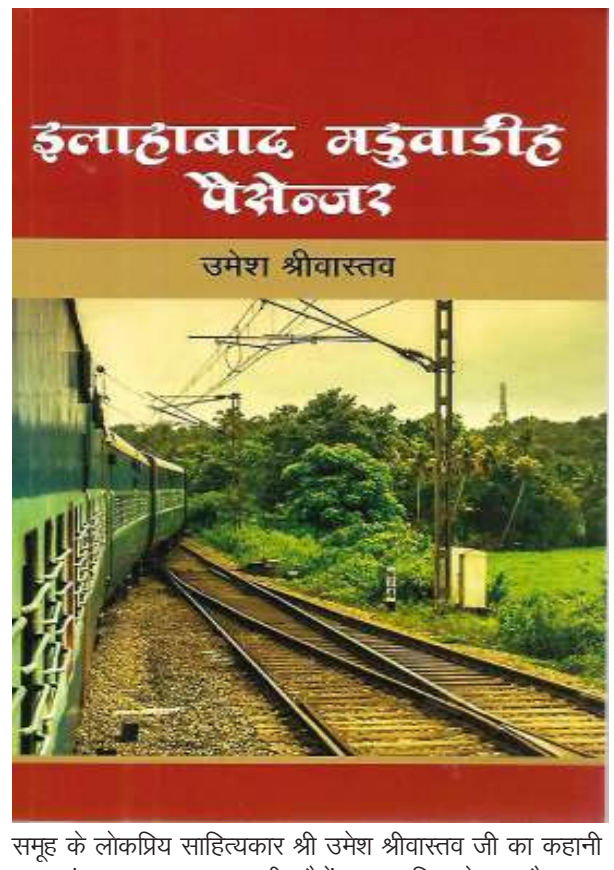

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

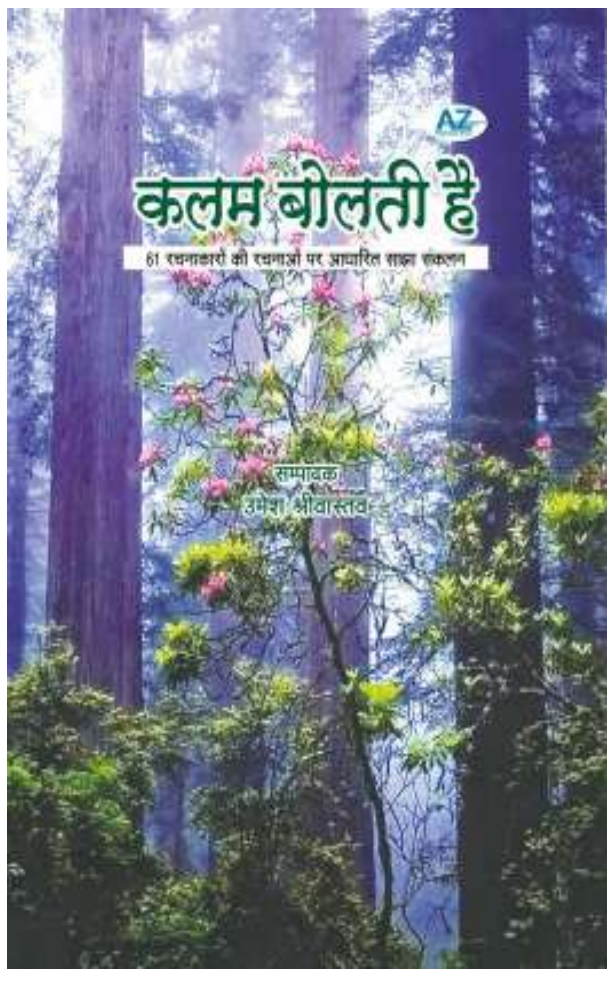

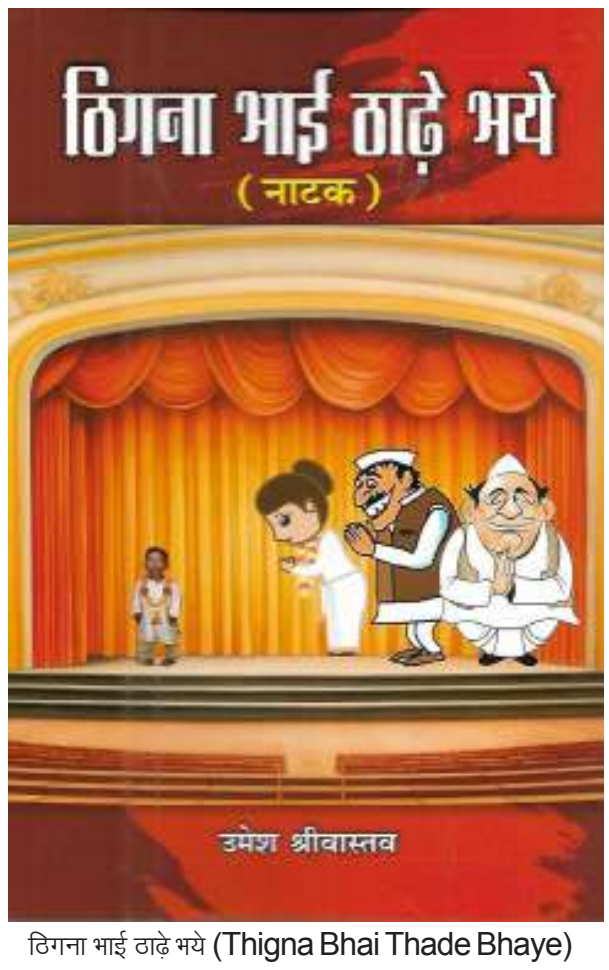

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान का सरेंडर: नेतन्याहू की धमकी से डरे रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, डिलीट किए इस्राइल के खिलाफ पोस्ट

इस्लामाबाद, एजंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में आ गए हैं। इस्राइल पर तीखी टिप्पणी करने के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया पोस्ट हटा लिया है, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

जानकारी के अनुसार, ख्वाजा आसिफ ने पहले इस्राइल की आलोचना करते हुए उसे मानवता के लिए अभिशाप बताया था और कथित तौर पर श्नरक में जलनाश जैसी कड़ी भाषा का इस्तेमाल किया था। इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिक्रिया तेज हो गई और विवाद बढ़ने लगा। मामले के तूल पकड़ने के बाद उन्होंने एक्स से अपना पोस्ट डिलीट कर दिया। हालांकि, इस पर पाकिस्तान सरकार या उनके कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा था कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा इस्राइल के विनाश की बात करना बेहद आपत्तिजनक और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा बयान है जिसे किसी भी सरकार की ओर से बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब वह खुद को शांति का पक्षध ार बताती है। दरअसल, बीते दिनों पाकिस्तान के बड़बोले ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया पर इस्राइल को बुरा और मानवता के लिए अभिशाप बताया था। आसिफ ने लेबनान में हो रही हिंसा को नरसंहार करार दिया और कहा कि निर्दोष लोगों की जान जा रही है। ऐसे में अब इस्राइल ने इस बयान पर अपनी कड़ी नाराजगी जताई है। इस्राइल ने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए इसे अस्वीकार्य करार दिया है। ऐसे में अब यह मामला अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा का विषय बन गया है, जहां एक तरफ इसे कूटनीतिक तनाव बताया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ इसे दोनों देशों के बीच बढ़ती बयानबाजी का हिस्सा माना जा रहा है।

नासा का आर्टेमिस-2 मिशन ऐतिहासिक यात्रा के अंतिम चरण में, पृथ्वी पर लौटने के करीब

वॉशिंगटन , एजेंसी। नासा ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की है। शुक्रवार को नासा ने बताया कि उसका आर्टेमिस–प्प मिशन एक अप्रैल को सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ था और अब अपनी ऐतिहासिक यात्रा के अंतिम चरण में पहुंच गया है। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के चारों ओर घूम चुका है और अब पृथ्वी पर लौट रहा है। इसकी समुद्र में लैंडिंग (स्प्लैशडाउन) 10 अप्रैल को रात करीब 8:07 बजे (ईटी) प्रशांत महासागर में होने की उम्मीद है। नासा ने अपने संदेश में कहा कि वे अंतरिक्ष यात्रियों का फिर से पृथ्वी पर स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। यह मिशन पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि यह पांच दशकों से भी ज्यादा समय के बाद, पृथ्वी की निचली कक्षा से परे गहरे अंतरिक्ष की खोज में मानवता की वापसी का प्रतीक है। नासा के अनुसार, इस मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों ने अब तक की सबसे लंबी दूरी तय की है, जो भविष्य में चंद्रमा पर जाने वाले अभियानों के लिए रास्ता तैयार करेगा। मिशन के दौरान पहले, चार सदस्यों वाले दल ने पृथ्वी से 248,655 मील की यात्रा करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस दल में रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल रहे। अपनी यात्रा के सबसे दूर के बिंदु पर वे लगभग 252,756 मील तक पहुंचे। यह उपलब्धि पहले अपोलो–13 मिशन के रिकॉर्ड से भी आगे निकल गई है। अधि ाकारियों के अनुसार, यह 10 दिन का मिशन स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की गहरे अंतरिक्ष में क्षमता को परखने के लिए बनाया गया है। इसमें चंद्रमा के पास से गुजरना भी शामिल था, जो भविष्य के मिशनों के लिए बहुत जरूरी कदम है। नासा की अधिकारी डॉ. लोरी ग्लेज ने कहा कि यह सफलता दिखाती है कि एजेंसी लगातार नई सीमाओं को पार करने और अंतरिक्ष में नई खोज करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओरियन अंतरिक्ष यान से जेरेमी हैनसन ने कहा कि यह उपलब्धि पुराने अंतरिक्ष यात्रियों की विरासत को सम्मान देती है और साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए दौर की शुरुआत भी करती है। आर्टेमिस–II मिशन को नासा के उस बड़े लक्ष्य की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें चंद्रमा पर लंबे समय तक इंसानों की मौजूदगी स्थापित करना शामिल है।

होर्मुज में ईरान के टैक्स लेने पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप, बोले- यह वह समझौता नहीं, जो हमने किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही को बाधित करने के तरीके पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ईरान इस मामले में बहुत खराब काम कर रहा है और इसे अशोभनीय बताया। युद्धविराम की प्रभावशीलता पर सवाल राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ष्ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल को गुजरने देने के मामले में बहुत खराब काम कर रहा है, कुछ लोग इसे अशोभनीय कहेंगे। यह वह समझौता नहीं है जो हमने किया है।ष डोनाल्ड ट्रंप की यह टिप्पणी तेल टैंकरों से शुल्क लेने की रिपोर्टें सामने आने के बाद आई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ईरान युद्ध से ट्रंप ने अमेरिका-यूरोपीय दक्षिणपंथियों के बीच चौड़ी की दरार, राजनीतिक दबाव भी बढ़ा, कैसे ?

बुडापेस्ट, एजेंसी। दूसरे कार्यकाल में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस लौटे, तो उन्होंने यूरोप के दक्षिणपंथी गुटों के साथ संबंध मजबूत करके आगे बढ़ने की ठान ली थी। लेकिन अब उन्हीं गुटों में से कई ईरान युद्ध के प्रति खुलकर घृणा जता रहे हैं। इससे उन संबंधों में दरार आ रही है जिनसे एक नई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की शुरुआत होनी थी। इस सप्ताह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा हंगरी के पीएम विक्टर ओर्बन के लिए किया गया प्रचार भी ज्यादा काम नहीं आ सका है। इतालवी पीएम मेलनी ने अमेरिका को सिसिली हवाई अड्डे का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए करने से मना कर दिया। फ्रांस की नेशनल रैली की नेता मरीन ले पेन ने उनके

युद्ध लक्ष्यों को अस्थिर बताया। जर्मनी की अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी के प्रमुख ने अमेरिकी सैनिकों से देश में अपने हवाई अड्डे छोड़ने का आह्वान किया। ईरान के साथ नाजुक युद्धविराम के बावजूद, ट्रंप के यूरोपीय नेताओं को साधने के ताजा प्रयास किसी भी तरह कारगर होते नहीं दिख रहे हैं। अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव होने हैं। इससे पहले कुछ प्रांतों में गवर्नर पद के लिए हुए चुनाव में रिपब्लिकनों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। विस्कॉन्सिन में इस सप्ताह हुए चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की नाकामी का सबसे तीखा आकलन उन्हीं के नेता टॉम टिफनी ने किया। वह बोले, हमारी डेमोक्रेट प्रत्याशी से करारी हार हुई है। कुछ रिपब्लिकन जॉर्जिया के विशेष चुनाव से भी घबरा गए हैं, जहां कांग्रेस में मार्जोरी ग्रीन की जगह लेने के लिए रिपब्लिकनों की बहुत कम अंतर से जीत हुई। टेक्सास राज्य सीनेट के एक जिले में भी डेमोक्रेड मजबूती से जीते हैं। डेमोक्रेट नेता जेरेड लियोपोल्ड ने कहा, सभी जगह ट्रंप के ईरान युद्ध से देश में उपजा रोजगार–आर्थिक संकट और गहराना आक्रोश का विषय है। विस्कॉन्सिन प्रांत में सर्वोच्च न्यायालय की सीटों के लिए राज्यव्यापी चुनाव हो रहे हैं। यहां डेमोक्रेटों ने 20 अंकों की भारी जीत के साथ अपना बहुमत और मजबूत कर लिया है। विस्कॉन्सिन में गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार टिफनी ने मंगलवार के नतीजों को लेकर जल्दबाजी में कोई राय बनाने से बचने की चेतावनी दी। उन्होंने डेमोक्रेट नेताओं की बढ़त पर निराशा जताई। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन में राजदूत और विदेश मंत्रालय के अधिकारी रह चुके डैनियल बेयर ने कहा, यूरोप के धुर दक्षिणपंथियों के साथ तनाव दक्षिणपंथी नेताओं की मदद करने की ट्रंप की उम्मीदों पर पानी फेरता है। राष्ट्रीय अंधराष्ट्रवाद के इर्द–गिर्द अंतरराष्ट्रीय गठबंधन मुश्किल है। इन देशों के अधिकांश लोग, अमेरिका–विरोधी नहीं हैं, पर ट्रंप–विरोधी हो गए हैं। इटली की पीएम जियोर्जिया मेलनी ने कहा है कि यूरोपीय संघ (ईयू) को बजट घाटे के नियम निलंबित करने पर विचार करना चाहिए। वह बोलीं, यदि ईरान युद्ध फिर से भड़क उठता है तो यह जरूरी हो जाएगा। वह बोलीं, ट्रंप ने जिस तरह से युद्ध की शुरुआत की उसके बाद ऊर्जा के दामों पर संभावित उपायों के तहत ऊर्जा कंपनियों पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाना होगा। ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामनेई का बृहस्पतिवार को सरकारी टीवी पर एक लिखित संदेश प्रसारित किया गया। कई दिनों अस्वस्थ चल रहे मोजतबा ने युद्धविराम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मोजतबा ने कहा कि ईरान रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन को एक नए चरण में ले जाएगा। ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अपने अधिकारों को छोड़ भी नहीं सकता। उन्होंने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ प्रतिरोध के मोर्चे को एकीकृत रखने की बात कही।

पश्चिम एशिया जंग का असर कम करने के लिए दक्षिण कोरिया लाएगा अतिरिक्त बजट, संसद में आज होगी वोटिंग

सियोल (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे उत्पन्न वैश्विक आर्थिक दबाव के बीच दक्षिण कोरिया की संसद शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त बजट विधेयक पर मतदान करने जा रही है। यह विधेयक बढ़ती तेल कीमतों के बोझ को कम करने और छोटे व्यवसायों व कमजोर परिवारों को संघर्ष के आर्थिक झटके से बचाने के लिए लाया गया है। 30 ट्रिलियन वोन तक पहुंचा बजट प्रस्ताव सरकारी शुरुआती प्रस्ताव 26.2 ट्रिलियन वोन का था, लेकिन संसदीय समितियों की समीक्षा के बाद इसे बढ़ाकर लगभग 30 ट्रिलियन वोन (करीब 20.3 अरब डॉलर) कर दिया गया है। यह अतिरिक्त बजट मुख्य रूप से ऊर्जा संकट और महंगाई के प्रभाव को कम करने पर केंद्रित है। कम आय वर्ग को नकद सहायता देने की योजना इस पैकेज में सरकार

की एक प्रमुख योजना शामिल है, जिसके तहत देश की निचली 70 प्रतिशत आय आबादी को नकद सहायता दी जाएगी। अनुमान है कि लगभग 3.58 करोड़ नागरिकों को उनकी आय और क्षेत्र के आधार पर 1 लाख वोन से लेकर 6 लाख वोन तक की आर्थिक सहायता मिल सकती है। हालांकि इस बिल पर राजनीतिक सहमति बनाने की कोशिशें हुई हैं, लेकिन अब भी कई मुद्दों पर मतभेद कायम हैं। मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी का कहना है कि इस बजट में कई ऐसी योजनाएं शामिल हैं जो आपात आर्थिक सहायता के दायरे में नहीं आतीं। विपक्ष ने मांग की है कि सीधे जनता को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं पर अधिक ध्यान दिया जाए। वहीं सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस विधेयक को जल्द पारित करने की अपील की है ताकि आर्थिक दबाव को कम किया जा सके। तेल संकट से निपटने की तैयारी तेज दक्षिण कोरिया पहले ही ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वैकल्पिक तेल आपूर्ति सुनिश्चित कर चुका है। 7 अप्रैल को देश ने घोषणा की थी कि मई के लिए लगभग 6 करोड़ बैरल वैकल्पिक तेल आपूर्ति की व्यवस्था की गई है, ताकि मध्य पूर्व से होने वाली आपूर्ति में बाध ा का असर कम किया जा सके। 17 देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित व्यापार, उद्योग और संसाधन सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, दक्षिण कोरिया अब तक 17 देशों से कुल 11 करोड़ बैरल तेल की आपूर्ति सुरक्षित कर चुका है। इनमें सऊदी अरब, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील और कनाडा जैसे देश शामिल हैं। सरकार द्वारा शुरू की गई ऑयल स्वैप प्रणाली के तहत देश की चार प्रमुख रिफाइनरी कंपनियों ने 3 करोड़ बैरल से अधिक तेल उधार लेने की योजना बनाई है। इसमें से लगभग 80 लाख बैरल तेल की आपूर्ति इसी सप्ताह की जाएगी।

अमेरिका का यह निगरानी ड्रोन क्यों है बेहद खास, होर्मुज में लापता होने के बाद चर्चा में

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना का अत्याधुनिक निगरानी ड्रोन डफ–4ब ज्तपजवद इन दिनों चर्चा में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर लापता हो गया। यह घटना उस समय हुई जब ड्रोन ने उड़ान के दौरान अचानक इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। यह एक हाई–एल्टीट्यूड, लॉन्ग–एंड्योरेंस (HALE) मानव रहित विमान है, जिसे खास तौर पर समुद्री निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए विकसित किया गया है। इस ड्रोन को अमेरिकी रक्षा कंपनी नॉर्थरोप ग्रुम्मन ने तैयार किया है। डफ–4C ट्राइटन, त्फ–4 ग्लोबल हॉक प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसे विशाल समुद्री क्षेत्रों पर लगातार नजर रखने के लिए डिजाइन किया गया है। डफ–4C ट्राइटन 50,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है और लगातार 24 घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रह सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सिर्फ रीयल–टाइम निगरानी ही नहीं करता, बल्कि लंबे समय तक डेटा इकट्ठा कर समुद्री गतिविधियों की पूरी तस्वीर तैयार करता है। इसे अक्सर P–8। पोसाइडन गश्ती विमानों के साथ तैनात किया जाता है, जिससे समुद्र में गतिविधियों की लगातार निगरानी संभव हो पाती है। डफ–4C ट्राइटन अमेरिका की समुद्री सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा है और यह दुनिया के सबसे उन्नत निगरानी ड्रोन में गिना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह ड्रोन बहरीन के उत्तर में ऑपरेशन के दौरान फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म थ्सपहीजतंकंत24 पर अंतरराष्ट्रीय इमरजेंसी ट्रांसपोंडर कोड 7700 प्रसारित करता हुआ देखा गया, जो सामान्य आपात स्थिति का संकेत होता है। डेटा के अनुसार, ड्रोन करीब 52,000 फीट की ऊंचाई से अचानक तेजी से नीचे गिरकर कुछ ही मिनटों में लगभग 12,750 फीट तक पहुंच गया। यह घटना उस समय हुई जब ड्रोन नियमित उच्च–ऊंचाई समुद्री निगरानी मिशन पर था और सामान्य रिकॉनिसेंस फ्लाइट प्रोफाइल का पालन कर रहा था। अचानक आई इस गिरावट के बाद ड्रोन का सिग्नल खाड़ी क्षेत्र के ऊपर गायब हो गया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हुआ या फिर ट्रैकिंग सिस्टम में कोई बाधा आई। इस पूरे घटनाक्रम की अमेरिकी सैन्य अधिकारियों की ओर से अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं कुछ ओपन–सोर्स ट्रैकिंग विश्लेषणों में यह दावा भी किया गया है कि इमरजेंसी सिग्नल से पहले ड्रोन ने कुछ समय के लिए ईरानी हवाई क्षेत्र की दिशा में रुख किया था, लेकिन इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

शांति वार्ता पर संशयः जेडी वेंस पाकिस्तान रवाना, ईरान बोला- विदेश मंत्री-संसद अध्यक्ष दोनों तेहरान में मौजूद

वॉशिंगटन/तेहरान/इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक अहम कूटनीतिक प्रयास के तहत अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शुक्रवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के लिए रवाना हुए। यहां वह ईरान के साथ शांति वार्ता का नेतृत्व करेंगे। यह वार्ता ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच

घोषित अस्थायी सीजफायर बेहद कमजोर स्थिति में पहुंच चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक शनिवार को होनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेंस को यह जिम्मेदारी दी है, जबकि उनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति के सलाहकार जेरेड कुशनर भी इस मिशन में शामिल हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब युद्ध को लेकर राजनीतिक और आर्थिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। इस्लामाबाद में वार्ता शुरू होने से पहले ही अनिश्चितता बनी हुई है। ईरान ने उन अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि विदेश मंत्री अब्बास अरागची और संसद अध्यक्ष गलीबाफ अमेरिका के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंचे हैं। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसियों और सरकारी मीडिया ने स्पष्ट किया है कि ये सभी दावे पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। राज्य संचालित प्रसारक प्रेस टीवी ने तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि न तो विदेश मंत्री और न ही संसद अध्यक्ष देश से बाहर गए हैं। दोनों नेता अभी भी तेहरान में मौजूद हैं और राष्ट्रीय कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, लेबनान में जारी सैन्य तनाव के कारण ईरानी प्रतिनिधिमंडल की यात्रा में देरी हुई है। हालांकि पाकिस्तान और अमेरिका दोनों इस बैठक को सफल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हालात अभी भी जटिल बने हुए हैं। हाल ही में घोषित अस्थायी सीजफायर के बाद भी हालात शांत नहीं हो सके हैं। ईरान और अमेरिका–इस्राइल समर्थित पक्षों के बीच समझौते की शर्तों को लेकर गहरा मतभेद सामने आया है। ईरान का कहना है कि सीजफायर में लेबनान में जारी संघर्ष भी शामिल होना चाहिए, जबकि अमेरिका और इजरायल ने इस दावे को खारिज कर दिया है। इसके चलते क्षेत्र में तनाव फिर बढ़ गया है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धि: वैश्विक संस्थाओं ने कलपक्कम रिएक्टर को सराहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टरश (PFBR) ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है। यह भारत के तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण की महत्वपूर्ण शुरुआत है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने भारत के इस उपलब्धि की जमकर सराहना की है। उन्होंने प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि यह कदम ईंधन की स्थिरता और परमाणु ऊर्जा के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने भी इसे एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि बताया है। IEA ने शोसल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा श्कई वर्षों के विकास के बाद हासिल की गई इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि के लिए भारत, प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी और वैज्ञानिकों व इंजीनियरों को बधाई। भारत अब दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है जिसके पास यह खास तकनीक है। रूस के अलावा अभी तक कोई भी देश इसे सफलतापूर्वक नहीं चला पाया है। अमेरिका और जापान जैसे देशों ने भी दशकों पहले इस जटिल तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिशें छोड़ दी थीं। यह रिएक्टर 6 अप्रैल को रात 8:25 बजे चालू हुआ। इसमें ईंधन के रूप में प्लूटोनियम आधारित मिक्स्ड ऑक्साइड का इस्तेमाल होता है। रिएक्टर को ठंडा रखने के लिए तरल सोडियम का प्रयोग किया जाता है। यह अन्य रिएक्टरों के मुकाबले बहुत कम ईंधन खर्च करता है। खास बात यह है कि यह पुराने रिएक्टरों से निकले कचरे का इस्तेमाल ईंधन के रूप में करेगा। इससे परमाणु कचरा कम करने में भी मदद मिलेगी। यह सफलता भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक होमी जहांगीर भाभा के सपने को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे भविष्य में थोरियम आधारित रिएक्टरों को चलाने का रास्ता साफ होगा। भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा से 100 गीगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य रखा है। अभी भारत की क्षमता 8.7 गीगावाट है। उम्मीद है कि साल 2031–32 तक यह बढ़कर 22. 48 गीगावाट हो जाएगी। इस रिएक्टर को भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम (BHAVINI) ने विकसित किया है। आने वाले महीनों में वैज्ञानिक इस पर कई प्रयोग करेंगे और फिर इसे बिजली ग्रिड से जोड़ दिया जाएगा।

'बर्दाश्त नहीं करेंगे': पाकिस्तान के रक्षा मंत्री पर भड़के नेतन्याहू, इस्राइल को बताया था मानवता के लिए कैंसर

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी गई है। इस मामले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा इस्राइल के विनाश की बात करना बेहद आपत्तिजनक और अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा बयान है जिसे किसी भी सरकार की ओर से बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब वह खुद को शांति का पक्षधर बताती है। इस्राइली पीएम कार्यालय का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब बीते दिनों पाकिस्तान के बड़बोले रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान खूब चर्चा में रहा। आसिफ ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर अपने बड़बोले होने का परिचय देते हुए इस्राइल को लेकर कड़े शब्दों का प्रयोग किया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।